सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 11 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (15 से 21 मार्च 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

लोकतंत्र का महापर्व: वोटिंग 21 दिन में ही पूरी होगी, सबसे तेज चुनाव, 4 राज्यों और पुडुचेरी की 824 सीटों पर चुनावी रणभेरी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सवों में से एक, विधानसभा चुनावों की तारीखों का आधिकारिक ऐलान हो चुका है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को देश के चार प्रमुख राज्यों—पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम—और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी की कुल 824 विधानसभा सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम जारी कर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अनुसार, इस बार मतदान की प्रक्रिया 9 अप्रैल से शुरू होकर 29 अप्रैल तक चलेगी। महज 21 दिनों के भीतर वोटिंग का यह सफर पूरा होगा, जो इन क्षेत्रों के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे तेज चुनाव माना जा रहा है। 4 मई को होने वाली मतगणना के साथ ही यह साफ हो जाएगा कि इन राज्यों की सत्ता की चाबी किसके हाथ लगेगी।

चुनावी इतिहास में 'सबसे तेज' मतदान का रिकॉर्ड

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस बार की चुनाव प्रक्रिया पिछले दो दशकों में सबसे कम समय में संपन्न होने जा रही है। जहां 2006 में मतदान प्रक्रिया में 35 दिन लगे थे, वहीं 2011 में 36 दिन, 2016 में 43 दिन और 2021 में 34 दिनों का समय लगा था। इस बार आयोग ने इसे केवल 21 दिनों में समेटने का निर्णय लिया है, जो कुशल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की मुस्तैदी को दर्शाता है। यह तेजी न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राजनीतिक दलों के लिए भी प्रचार और रणनीति बनाने की समय-सीमा को चुनौतीपूर्ण बनाती है।

दिग्गजों की साख दांव पर: बंगाल से केरल तक की जंग

इस बार का चुनाव कई मायनों में बेहद खास और दिलचस्प होने वाला है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता की कमान संभालने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं, तो वहीं तमिलनाडु में एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके लगातार दूसरी बार जीत का सपना देख रही है। केरल में लेफ्ट गठबंधन (LDF) तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस यहां अपने सांसदों की भारी संख्या के दम पर सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है। असम में एनडीए अपनी तीसरी और पुडुचेरी में दूसरी जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है।

चुनावी शोर के बीच विकास और औद्योगिक निवेश की चमक : राजनीतिक गहमागहमी के समानांतर इन राज्यों में औद्योगिक विकास की लहर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। तमिलनाडु ने होसुर में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से देश का पहला सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और टेस्टिंग प्रोजेक्ट हासिल कर 27,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है। वहीं, केरल के विझीजम में 8,000 करोड़ रुपए की लागत से देश का पहला डीप सी ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बन रहा है। पश्चिम बंगाल में भी औद्योगिक परिदृश्य बदल रहा है, जहां 15,000 करोड़ की लागत से तेजपुर डीप सी पोर्ट और जेएसडब्ल्यू का 40 हजार करोड़ का स्टील प्रोजेक्ट राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए तैयार है।

छह राज्यों की आठ सीटों पर उपचुनाव की तैयारी : मुख्य विधानसभा चुनावों के साथ ही निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों—गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय—की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनावों की भी घोषणा की है।

ये उपचुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे। इन सीटों पर होने वाले उपचुनावों के नतीजे भी मुख्य राज्यों के परिणामों के साथ ही 4 मई को जारी किए जाएंगे। राजधानी चौपाल की टीम इन सभी चुनावी हलचलों पर पैनी नजर रखे हुए है और हर बड़े अपडेट को आप तक सबसे पहले पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-DGP को हटाया:कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले; आयोग बोला- ये अफसर चुनाव से दूर रहेंगे

नई दिल्ली| पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

दीदी को SIRदर्द...

पहली बार इतने कठिन चुनाव में फंसीं, लेकिन बांग्ला अस्मिता सबसे बड़ा हथियार

कोलकाता| पश्चिम बंगाल में पहली बार दो चरण में चुनाव होने जा रहा है। 2001 में आखिरी बार एक चरण में हुआ था। इसके बाद कभी भी 4 से कम चरण नहीं हुए। तृणमूल चीफ ममता बनर्जी 2011 से सता में है। लेकिन, पहली बार वह सबसे चुनौतीपूर्ण चुनाव का सामना कर रही हैं। इससकी इससकी दो दो वजह हैं। पहली बीते पांच साल में ममता सरकार गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी रही और दूस्सी-एसआईआर, जिसमें राज्य के 63.66 लाख नाम कट चुके हैं। ममता ने अपने कोर वीट बैंक से वोटर्स के नाम कटने की चांगला अस्मिता का मुख बना दिया है। इस मुद्दे पर वह सीधे केंद्र सरकार पर पलटवार कर रही हैं। इसके अलावा, दीदी 'कैश' रणनीति के साथ भी मैदान में हैं। जिन महिला वोटरों ने उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव में 50% से ज्यादा बोट दिए, इस बार लक्ष्मी भंडार योजना में उन्हें 500-500 रु. बढ़ाकर सीधे 2-2 हजार रु. खाते में दिए गए हैं। स्पेशल-40 और युवा साथी योजना ममता के तरकश के नए तीर हैं। युवा कभी में 10वीं पास 21 से 40 साल के 84 लाख बेरोजगारों को डेढ़-डेढ़ हजार रु. देने लगी हैं। स्पेशल-७० में पार्टी ने अपने 40 विशेष प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है।

42 लाख वोटरों के मतदान करने पर संकट : बंगाल एसआईआर में 42 लाख वोटर्स की जांच चल रही है। चुनावों की घोषणा से इनका भविष्य अनिश्चित है। इनमें अल्पसंख्यक बहुल मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण-24 परगना जिले के लाखौं वोटर हैं। इन पर फैसला कोलकाता हाई कोर्ट लेगा। नॉमिनेशन की प्रक्रिया से 10 दिन पहले तक जितने मामलों का निपटारा हो जाएगा, उन्हें मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा।

बंगाल-असम समेत 5 राज्यों में आचार संहिता : चुनाव आयोग ने 5000 से ज्यादा फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए

कोलकाता/चेन्नई/दिसपुर/तिरुवनंतपुर| ECI ने रविवार को चार राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों का शेड्यूल घोषित किया। इसके साथ ही इन राज्यों में आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि चुनावी राज्यों में 5,173 से ज्यादा फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं ताकि शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई हो। इसके अलावा, 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमें (SST) भी तैनात की गई हैं। इधर, केरल BJP के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि उम्मीदवारों की पहली लिस्ट आज पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा घोषित किए जाने की उम्मीद है। बंगाल में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। केरल और असम में वोटिंग एक ही चरण में 9 अप्रैल को होगी, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पुडुचेरी में भी वोटिंग 9 अप्रैल को ही होगी। इसके अलावा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा की छह सीटों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं।

पश्चिम बंगाल- 3 बार से ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्री : 14 साल से CM ममता के सामने BJP मुख्य चुनौती है। 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी। जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में मुख्यमंत्री पद पर रहीं।

व्हीलचेयर पर विज, इलियास सहारा लेकर पहुंचे, सीएम के सचिव संग दिखीं कांग्रेस एमएलए; विनेश को लाए हुड्डा

पंचकूला (राजधानी चौपाल)| हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को वोटिंग हुई। 90 में से 88 वोट डले। इनेलो के दोनों विधायकों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। सबसे पहला वोट मुख्यमंत्री नायब सैनी ने डाला। 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी।

इससे पहले कांग्रेस विधायक हिमाचल के होटल से भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास पर पहुंचे। फिर वोटिंग करने निकले। पूरा दिन हुड्डा आवास से लेकर विधानसभा परिसर तक रोचक मोमेंट्ज देखने को मिले।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज व्हीलचेयर पर वोटिंग करने पहुंचे। वहीं पुन्हाना से कांग्रेस एमएलए मोहम्मद इलियास दो साथियों का सहारा लेकर वोटिंग करने आए। हुड्डा अपनी गाड़ी में सैलजा के करीबी चंद्रमोहन को साथ लाए। दीपेंद्र हुड्डा बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स और विनेश फोगाट को लेकर पहुंचे।

अभय बोले- नांदल ने मुझसे संपर्क किया

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा- जनता की आवाज पर फैसला लिया कि हमारे दोनों विधायक चुनाव से दूरी बनाएंगे। भाजपा का रवैया सही नहीं रहा। इन्होंने जात-पात, मजहब की राजनीति की। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल मुझसे मिले थे। मैंने साफ कह दिया था कि इस पर पार्टी का सामूहिक फैसला होगा। कांग्रेस में कोई क्रॉस वोट होता तो इसकी जिम्मेदारी भूपेंद्र सिंह हुड्डा की होगी। कांग्रेस से 30 का आंकड़ा पार नहीं होगा। क्रॉस वोटिंग करना पाप है। इस पर कानून बनना चाहिए।

इनेलो विधायक नहीं आए; BJP बोली- कांग्रेस के 2 वोटों में सीक्रेसी लीक हुई : हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को चंडीगढ़ स्थित विधानसभा के कमेटी रूम में वोटिंग हुई। 5 बजे से काउंटिंग शुरू होगी। 90 सीटों वाली विधानसभा में 88 विधायकों ने वोट डाले। इंडियन नेशनल लोकदल के दोनों विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे। 88 वोट पोल होने के बाद जीत के लिए कोटा वोट 30 रह गया है। कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध और भाजपा के संजय भाटिया के पास जीत के लिए जरूरी आकंड़ा है। क्रॉस वोटिंग या वोट रद्द होने की स्थिति में ही निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल सीट निकाल सकते हैं।

इन स्थितियों में रद्द हो सकते हैं वोट

- **गलत तरीके से वोट डालना**: राज्यसभा चुनाव में विधायक को बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों के नामों के सामने 1, 2, 3 वरीयता लिखनी होती है। जैसे 3 प्रत्याशी हैं तो एक से तीन तक वरियता रहेगी। अगर विधायक ने सही वरीयता नहीं लिखी या एक से ज्यादा उम्मीदवारों के सामने एक ही नंबर लिख दिया तो वोट कैंसिल हो सकता है।
- **अधिकृत पेन का इस्तेमाल न करना**: चुनाव आयोग द्वारा दिया गया खास पेन इस्तेमाल करना अनिवार्य होता है। अगर विधायक अपने पेन या अलग रंग की स्याही वाले पेन से वोट डाल देता है तो वोट रद्द हो सकता है। जैसे 2016 में स्याही कांड हुआ और 14 वोट अमान्य हुए थे।
- **पार्टी एजेंट को बैलेट न दिखाना**: अगर कोई विधायक किसी पार्टी से है तो उसे वोट डालने के बाद अपनी पार्टी के अधिकृत एजेंट को बैलेट दिखाना पड़ता है। अगर विधायक बैलेट नहीं दिखाता, तो उसका वोट रिजेक्ट कर दिया जाता है।
- **गलत व्यक्ति को बैलेट दिखाना**: अगर विधायक अपनी पार्टी के एजेंट की बजाय किसी और को बैलेट दिखा देता है, तो भी वोट अमान्य हो सकता है।
- **बैलेट पेपर खराब करना**: बैलेट पेपर पर साइन करना, कोई निशान/टिप्पणी लिखना, या बैलेट को फाड़ देना ऐसी स्थिति में भी वोट अमान्य हो जाता है।
- **पहली वरीयता स्पष्ट न होना**: राज्यसभा चुनाव में पहली वरीयता (1) बहुत जरूरी होती है। अगर विधायक ने 1 नहीं लिखा या अस्पष्ट लिखा, तो पूरा वोट अमान्य माना जाता है।

ईरान में 15 दिन बाद भी सत्ता नहीं बदली

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प अकेले जंग नहीं रोक सकते, तेहरान के पास अभी भी खेल पलटने की ताकत

वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल)| दो हफ्ते तक ईरान के खिलाफ युद्ध चलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही जीत का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि आखिरी परिणाम इस बात पर भी निर्भर करेगा कि ईरान आगे क्या करता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अगर ईरान लड़ाई जारी रखता है, जहाजों पर हमले करता है या जवाबी कार्रवाई करता है, तो युद्ध वास्तव में खत्म नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नौसेना का बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है। उसकी कई मिसाइलें खत्म हो चुकी हैं और उसके कई टॉप लीडर्स मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद ट्रम्प के वे बड़े राजनीतिक मकसद अब तक पूरे नहीं हुए हैं जिनकी उन्होंने कई बार बात की थी। ईरान में अभी भी पुराना शासन ही कायम है। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तेल के समुद्री रास्ते को बाधित करके वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मचा दी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान में अभी भी खेल पलटने की ताकत है।

अमेरिका में भी दिखने लगा जंग का असर

यह स्थिति ट्रम्प के लिए मुश्किल पैदा करती है, क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के लोग अब उनसे युद्ध खत्म करके अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं। इसी साल नवंबर में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। युद्ध का असर अमेरिका के अंदर भी दिखने लगा है। अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद पेट्रोल की कीमतों में लगभग 25 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। किसानों के लिए खाद महंगी हो गई है और अमेरिकी सैनिकों की मौत का आंकड़ा भी बढ़कर 13 पहुंच गया है।

अकेले जंग रोककर तेल की बढ़ती कीमतें नहीं रोक सकते ट्रम्प

ईरान ने यह भी दिखाया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करने की क्षमता रखता है। इस वजह से यह साफ नहीं है कि अमेरिका अगर अकेले युद्ध रोक भी दे, तो क्या तेल की कीमतों में तुरंत कमी आएगी। ईरानी हमलों ने फारस की खाड़ी के उन देशों के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है जो लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी मौजूद हैं। इसके बावजूद ट्रम्प लगातार यह दावा कर रहे हैं कि युद्ध पर उनका पूरा कंट्रोल है। उन्होंने शुक्रवार को फॉक्स न्यूज रेडियो से कहा कि युद्ध तब खत्म होगा जब उन्हें लगेगा कि अब इसे खत्म करने का समय आ गया है।

परमाणु हथियार और तेजी से बना सकता है ईरान

एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि युद्ध में जीत हासिल करना और किसी देश के खतरे को लंबे समय तक खत्म करना दो अलग-अलग बातें हैं। कुछ को यह भी डर है कि युद्ध के बाद ईरान के भीतर कट्टरपंथी ताकतें और मजबूत हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में ज्यादा तेजी से आगे बढ़ने का फैसला कर सकता है। ईरान के पास अब भी करीब 440 किलोग्राम समृद्ध यूरेनियम मौजूद है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगी देश एक बड़ा खतरा मानते हैं। यह यूरेनियम ईरान के लिए एक तरह की रणनीतिक ताकत भी है, जिससे वह अमेरिका और इजराइल के हमलों के बीच खुद को बचाने की कोशिश कर सकता है। यह भी साफ नहीं है कि ईरान अपने समृद्ध यूरेनियम के भंडार तक पहुंच सकता है या नहीं। माना जाता है कि जून में अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु ठिकानों पर गिरा मलबा इन गैस के कंटेनरों को ढक चुका है। यह भी अनिश्चित है कि ईरानी वैज्ञानिक इस यूरेनियम गैस को किसी अस्थायी परमाणु हथियार या रेडियो एक्टिव बम में बदल सकते हैं या नहीं।

एक्सपर्ट बोले- जंग से हालात और मुश्किल हुए

मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के एक्सपर्ट ब्रायन कातुलिस ने वॉशिंगटन पोस्ट से कहा कि इस युद्ध ने स्थिति को और ज्यादा मुश्किल बना दिया है। ईरान लंबे समय से अमेरिका के लिए वैश्विक सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चुनौती रहा है। राष्ट्रपति जिमी कार्टर से लेकर अब तक लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उसके क्षेत्रीय सहयोगियों और आतंकवाद के समर्थन जैसे मुद्दों से जूझना पड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2015 में ईरान के साथ एक परमाणु समझौता किया था, जिसके तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कड़े नियंत्रण लगाए गए थे। लेकिन ट्रम्प ने 2017 में सत्ता में आने के बाद इस समझौते को खत्म कर दिया था। उस समय डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी थी कि समझौता खत्म करने से भविष्य में ईरान के साथ युद्ध हो सकता है। हालांकि ट्रम्प के सहयोगियों ने उस आरोप को खारिज कर दिया था।

होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक होने से परेशानी बढ़ी

ईरान जंग की वजह से कई ऐसे खतरे भी सामने आ गए हैं जो पहले केवल आशंका माने जाते थे। सबसे बड़ा खतरा होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकरों पर हमले का है। यह 21 मील चौड़ा समुद्री रास्ता ईरान और ओमान के बीच स्थित है। यहीं से सऊदी अरब, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे तेल उत्पादक देशों से दुनियाभर में तेल भेजा जाता है। जंग से पहले तक होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े खतरे को केवल एक रणनीतिक आशंका माना जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। एक्सपर्ट ब्रायन कातुलिस का कहना है कि अब यह खतरा पहले से कहीं ज्यादा तात्कालिक और लगातार बना हुआ है। उनका कहना है कि अभी युद्ध की शुरुआत ही है, लेकिन इससे ईरान का शासन और ज्यादा अनिश्चित हो सकता है। ऐसे में वह किसी भी समय इस स्ट्रेट में जहाजों पर अचानक हमले कर सकता है।

व्हाइट हाउस का कहना है कि जब अमेरिका ने ईरान पर हमला करने की योजना बनाई थी, तब यह भी माना गया था कि ईरान इस समुद्री रास्ते को निशाना बना सकता है। अब जब युद्ध शुरू हो चुका है, तो अमेरिका अभी तक इस समुद्री रास्ते को पूरी तरह खुला रखने में सफल नहीं हुआ है। इस वजह से अमेरिका इस युद्ध में और गहराई से खिंचता हुआ दिखाई दे रहा है।

मानेसर नगर निगम का मेगा बजट: 678 करोड़ से संवरेगा शहर, बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड खर्च और कचरे से बिजली बनाने की तैयारी

रिपोर्ट में विस्तार से जानिए... इस बजट में आपके वार्ड और आपके मोहल्ले के लिए क्या खास है

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| औद्योगिक नगरी मानेसर के सुनहरे भविष्य की इबारत सोमवार को नगर निगम सदन की विशेष बैठक में लिखी गई। वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए पेश किए गए 678 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को सदन ने सर्वसम्मति से अपनी हरी झंडी दे दी है।

मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले समय में मानेसर की तस्वीर बदलने वाली है। इस बजट का सबसे बड़ा हिस्सा यानी करीब 70% राशि सीधे तौर पर आम जनता की बुनियादी सुविधाओं—सड़क, सीवर और पानी—पर खर्च की जाएगी।

» बुनियादी ढांचे पर महा-निवेश: 480 करोड़ से बदलेंगी सड़कें और गलियां

नगर निगम मानेसर ने इस बजट में 'विकास' को सर्वोपरि रखा है। बजट का सबसे बड़ा आवंटन 480 करोड़ रुपये बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किया गया है। इसमें नए रास्तों का निर्माण, पुरानी सड़कों की मरम्मत, जल निकासी के लिए नालियों का सुदृढ़ीकरण और पेयजल आपूर्ति की लाइनों का विस्तार शामिल है। मानेसर के ग्रामीण इलाकों, जो लंबे समय से शहरी सुविधाओं की बाट जोह रहे थे, उनके लिए यह बजट नई उम्मीद लेकर आया है। निगम का लक्ष्य है कि अगले एक साल में कोई भी मुख्य सड़क गड्ढों वाली न रहे और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

» वेस्ट टू एनर्जी प्लांट: कचरा प्रबंधन में क्रांतिकारी कदम

मानेसर को 'स्मार्ट सिटी' की तर्ज पर विकसित करने के लिए निगमायुक्त प्रदीप सिंह ने एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का खुलासा किया है। नगर निगम अब कचरे को केवल डंपिंग ग्राउंड तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि 'वेस्ट टू एनर्जी प्लांट' स्थापित करने जा रहा है। इस प्लांट की मदद से शहर से निकलने वाले रोजाना के कचरे का उपयोग बिजली बनाने में किया जाएगा।

- **सफाई बजट:** सफाई व्यवस्था और वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 86 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- **फायदा:** इससे न केवल शहर में प्रदूषण कम होगा, बल्कि कचरे के पहाड़ों से भी मुक्ति मिलेगी और उत्पादित बिजली का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं के लिए किया जा सकेगा।

» नगर निगम को मिलेगा स्थायी घर

पिछले काफी समय से नगर निगम मानेसर का अपना स्थायी कार्यालय भवन नहीं था, जिससे प्रशासनिक कार्यों में असुविधा होती थी। सदन को सूचित किया गया कि HSIIDC ने निगम कार्यालय के लिए जमीन आवंटित करने पर सहमति दे दी है। इस नए और आधुनिक मुख्यालय के निर्माण के लिए बजट में 90 करोड़ रुपये की राशि अलग से रखी गई है। यह भवन न केवल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि एक ही छत के नीचे नागरिकों को निगम से जुड़े सभी कार्यों की सुविधा मिल सकेगी।

» आय का गणित: कहाँ से आएगा पैसा?

निगम ने 678 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा है, जबकि उसकी अनुमानित आय 481 करोड़ रुपये है। आय के प्रमुख स्रोतों का ब्योरा इस प्रकार है:

- **स्टाम्प ड्यूटी और सेस:** इससे सर्वाधिक 200 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।
- **प्रॉपर्टी टैक्स:** शहरवासियों और औद्योगिक इकाइयों से 75.50 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है।
- **सरकारी ग्रांट:** राज्य सरकार से विकास कार्यों के लिए 86 करोड़ रुपये की मदद मिलेगी।
- **अन्य स्रोत:** ऑक्शन, रेंट और विभिन्न फीस के माध्यम से करीब 68 करोड़ रुपये की आय प्रस्तावित है।

» बीते वर्ष का सबक: खर्च करने की चुनौती

बजट चर्चा के दौरान एक अहम तथ्य यह भी सामने आया कि पिछले वित्त वर्ष में निगम ने 418 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था, लेकिन प्रशासनिक और तकनीकी कारणों से केवल 142 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके। पार्षदों ने इस पर चिंता जताई, जिसके बाद प्रशासन ने आश्वासन दिया कि इस बार टेंडरिंग प्रक्रिया और कार्य की निगरानी को तेज किया जाएगा ताकि बजट कागजों से निकलकर जमीन पर दिखाई दे।

» ग्रामीण विकास को प्राथमिकता: 51 प्रस्तावों पर मुहर

सदन की इस बैठक में केवल बजट ही नहीं, बल्कि विभिन्न वार्डों से जुड़े 54 विकास प्रस्ताव भी रखे गए। इनमें से 51 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया गया। ये प्रस्ताव मुख्य रूप से गांव की चौपालों का जीर्णोद्धार, स्ट्रीट लाइट लगवाना, पार्कों का सौंदर्यकरण और सामुदायिक केंद्रों के निर्माण से जुड़े हैं। मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का समान विकास हमारी प्राथमिकता है।

» प्रशासनिक और सामाजिक संतुलन

बजट में न केवल ईंट-पत्थर के विकास की बात की गई है, बल्कि कर्मचारियों और प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। स्टाफ की सैलरी और प्रशासनिक खर्चों के लिए 52 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, सामाजिक सुविधाओं के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स को बजट में शामिल किया गया है।

चार एजेंसियों के गोदाम पर छापेमारी में गैस सिलेंडरों के स्टॉक कम मिले

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सोमवार को जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग की टीमों ने गैस वितरकों (एजेंसियों) के गोदामों पर छापेमारी की। टीमों ने वितरकों के गोदामों पर घरेलू सिलेंडरों के भंडारण की जांच की। चार वितरकों के यहां कई खामियां पाई गईं। इसमें सिलेंडरों की कमी, उपभोक्ता शिकायत नंबर काम नहीं करना और समय से पहले गोदाम बंद कर देना, सिलेंडर का भंडारण नहीं मिलना शामिल रहा। विभाग अब चारों गैस विरतकों को नोटिस जारी करेगा। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक अशोक कुमार ने बताया कि गैस उपभोक्ताओं की शिकायत मिलने पर सोमवार को अधिकारियों की अलग-अलग टीमें शहर के गैस वितरकों के गोदामों पर छापेमारी की। इसमें पालम विहार में गोल्डन गैस विरतक, पालम विहार गैस वितरक और दौलताबाद में जय भारत एवं मंजीत गैस वितरक शामिल हैं। टीमों ने अपनी जांच रिपोर्ट में गैस वितरकों के गोदाम-दफ्तरों में कई खामियां बताई हैं। इन सभी को मंगलवार को नोटिस किया जाएगा। इन वितरकों के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार शिकायत की जा रही थी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई : डीसी अजय कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अस्पतालों, हॉस्टल की सुविधा वाली शिक्षण संस्थाओं, बेटियों के विवाह तथा खेल अकादमियों को प्राथमिकता से गैस वितरित की जानी है। ऐसे में गैस की आपूर्ति का 20 प्रतिशत स्टॉक रिजर्व में रखा जाए। इसके लिए जिलास्तर पर उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित है। इसमें पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी, सीएमओ, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को सदस्य सचिव बनाया गया है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने एरिया में एलपीजी स्टॉक की नियमित निगरानी करें। उनके कार्यालय में दैनिक स्टॉक की डिटेल भेजी जाए।

व्यावसायिक सिलेंडर मिलने की उम्मीद : मिलेनियम सिटी में व्यावसायिक सिलेंडरों की किल्लत अब दूर होगी। सोमवार शाम लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक ने टीमों को निर्देश जारी किया है कि टीमें प्रतिदिन दो गैस वितरक के गोदामों की जांच करेंगी। गैस कंपनी से कितनी गैस विरतक के गोदाम पर आई, कितने बुकिंग सिलेंडर की सप्लाई की गई। इसकी रिपोर्ट तैयार करके शाम को विभाग को सौंपी जाएगी। इसके आधार पर गैस विरतकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सेक्टर-102 स्थित जॉय विले सोसाइटी में हुई दिल दहला देने वाली घटना

सोसाइटी की 23वीं मंजिल से मासूम को फेंकने के बाद पिता ने भी जान दी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-102 स्थित जॉय विले सोसाइटी में एक पिता ने दो साल की मासूम बेटी को टावर की 23वीं मंजिल से नीचे फेंककर खुद भी छलांग लगा दी। कंक्रीट के फर्श पर गिरते ही दोनों लहूलुहान हो गए। सुरक्षाकर्मियों और निवासियों ने आनन-फानन में उन्हें पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 38 वर्षीय राहुल विजयरण के रूप में हुई है। राहुल पत्नी नीतू और दो साल की छोटी बेटी वामिका के साथ जॉय विले सोसाइटी के टावर-नौ के फ्लैट में रहते थे। राहुल और उनकी पत्नी दिल्ली के किराड़ी गांव में एक स्कूल का संचालन करते थे। राहुल दिल्ली के नांगलोई के रहने वाले थे जबकि पत्नी गुरुग्राम की है।

सोमवार की सुबह करीब 7:30 बजे जब पत्नी नीतू दहिया किचन में नाश्ता तैयार कर रही थी। राहुल ने कहा कि वह वामिका को सोसाइटी के पार्क में टहलाने के लिए ले जा रहे हैं। राहुल अपनी मासूम बेटी को गोद में लेकर नीचे जाने के बजाय बगल के टावर-पांच में चले गए और लिफ्ट से सीधे 23वीं मंजिल पर पहुंच गए। राहुल ने पहले वामिका नीचे फेंक दिया और उसके बाद खुद भी छलांग लगा दी। राहुल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वामिका की सांसें चल रही थीं। तेज आवाज सुनकर सुरक्षा गार्ड मौके पर आया। पुलिस और एंबुलेंस को भी जानकारी दी गई। एंबुलेंस में अस्पताल ले जाने के दौरान वामिका की भी मौत हो गई।

किचन में काम कर रही नीतू को जब बाहर से लोगों के चिल्लाने और कुछ गिरने की आवाज आई, तो वह बदहवास होकर बाहर निकली। नीचे का मंजर देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। डॉक्टरों की शुरुआती जांच के अनुसार इतनी ऊंचाई से गिरने के कारण शरीर के आंतरिक अंगों में गंभीर चोटें आई थीं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के भाई अमित विजयरण ने पुलिस को पूछताछ में राहुल की मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी दी।

अमित के अनुसार राहुल पिछले कुछ समय से गहरे अवसाद में थे। कोरोना काल के दौरान राहुल गंभीर रूप से बीमार हुए थे, जिसका सीधा असर उनकी आंखों पर पड़ा था। एक आंख की रोशनी पूरी तरह जा चुकी थी और दूसरी आंख से भी उन्हें बहुत धुंधला दिखाई देता था।

पुलिस खंगाल रही सोसाइटी की सीसीटीवी फुटेज

चौकी प्रभारी जगमाल ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। सोसाइटी की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि पता चल सके कि राहुल टावर-5 में कैसे दाखिल हुए। क्या उनकी किसी से बातचीत हुई थी।

घटना से लोग हैरान : राहुल और नीतू की शादी 2014 में हुई थी। उनकी एक 11 साल की बड़ी बेटी भी है। वह वर्तमान में देहरादून के एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई कर रही है। जिस समय यह हादसा हुआ, वह घर पर मौजूद नहीं थी। घटना से सोसाइटी के लोग हैरान हैं।

तनाव में रहते थे राहुल : अमित के मुताबिक राहुल अक्सर अपनी इस बीमारी को लेकर परेशान रहते थे। परिजनों का मानना है कि शारीरिक और मानसिक तनाव के कारण राहुल ने यह खौफनाक कदम उठाया है। परिजनों ने किसी पर कोई शक नहीं जताया है।

जाम और प्रदूषण पर प्रहार

33 चौराहों की बदलेगी सूरत, 31 दिसंबर तक शहर को 'स्मार्ट ट्रैफिक' का तोहफा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी की रफ़्तार को अब जाम और प्रदूषण का ग्रहण नहीं लगेगा। शहर की मुख्य सड़कों और चौराहों पर लगने वाले घंटों के जाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन और यातायात पुलिस ने एक साझा 'एक्शन प्लान' तैयार किया है। यातायात इंजीनियरिंग सेंटर के हालिया सर्वे के बाद अब शहर के 33 प्रमुख चौराहों को नए सिरे से संवारने की तैयारी है। प्रशासन का दावा है कि इस साल 31 दिसंबर तक गुरुग्राम की सड़कों को पूरी तरह जाममुक्त कर दिया जाएगा।

सर्वे में जाम के पीछे कई चौंकाने वाले कारण सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर की मुख्य सड़कों और सर्विस रोड पर सुरक्षा उपकरणों की भारी कमी है। इसके अलावा, अवैध पार्किंग और फुटपाथों पर रेहड़ी-पटरी वालों के कब्जे ने सड़कों को संकरा बना दिया है। फुटपाथ क्षतिग्रस्त होने की वजह से लोग सड़कों पर चलने को मजबूर हैं, जिससे न केवल हादसों का खतरा बढ़ता है, बल्कि यातायात की गति भी धीमी हो जाती है। इसके अलावा, कई जगहों पर अवैध कट और ट्रैफिक सिग्नल्स की कमी को भी जाम का मुख्य जिम्मेदार माना गया है।

प्रदूषण से निपटने के लिए भी यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्सर चौराहों पर लगने वाले जाम के कारण वाहनों का इंजन चालू रहता है, जिससे निकलने वाला जहरीला धुआं पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करता है। सड़कों को दुरुस्त कर यातायात को सुगम बनाने से न केवल समय बचेगा, बल्कि शहर की हवा भी साफ होगी। जीएमडीए, नगर निगम और एनएचएआई मिलकर इन कमियों को दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर काम शुरू करने जा रहे हैं। प्रशासन ने इस सुधार कार्य के लिए समय-सीमा निर्धारित की है। पहले चरण में 31 मार्च तक सिग्नेचर टावर, सेक्टर 40-45, रेजांगला चौक और सेक्टर 4-5 चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों को दुरुस्त किया जाएगा।

सोसाइटी में लगातार बढ़ रही चोरी पर अंकुश के लिए लोग हुए एकजुट

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सोसाइटी में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदात के विरोध में रविवार को सेक्टर-93 स्थित सिग्नेचर ऑर्चर्ड एवेन्यू सोसइटी के सैकड़ों लोग एकजुट हुए। लोगों ने बिल्डर और रखरखाव एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सोसाइटी में सुरक्षा कर्मियों की संख्या नाममात्र है। यहां पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कभी फ्लैट से सामान चोरी हो जाता है तो कभी कार के टायर चोरी हो रहे हैं। रात में चोर कार से सामान निकाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोसाइटी परिसर में सीवर शोधन संयंत्र लगा हुआ है, लेकिन उसकी क्षमता बेहद कम है। गंदे पानी को खाली जमीन पर डाला जा रहा है। वहां से काफी दुर्गंध उठ रही है। मच्छर-मक्खियां बढ़ गए हैं। इससे बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। भूमि और वातावरण प्रदूषित हो रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि सोसाइटी की चारदीवारी कई जगह पर नहीं है। इस कारण लावारिस कुत्ते सोसाइटी के अंदर घुस आते हैं। इससे बच्चे, बुजुर्गों और महिलाओं का अकेले निकलना मुश्किल हो गया है। बिजली के अघोषित कट रोजाना लग रहे हैं। आरोप लगाया कि रखरखाव एजेंसी का कहना होता है कि डीएचबीवीएन की तरफ से बिजली के अघोषित कट लगाए जा रहे हैं। सोसाइटी में प्रदर्शन की सूचना मिलने पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम कौशिक ने मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। इस मौके पर सोसाइटी निवासी शमशेर सिंह, मनीष राज गुप्ता, अजय कुमार, शिवांशु, रतन सिंह, अभिषेक, हरिहर, प्रतीक आदि मौजूद थे।

अवैध पार्किंग पर वाहनों के चालान किए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| यातायात पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में अवैध रूप से सड़क किनारे खड़े 474 वाहनों के चालान किए हैं। उन्हें क्रेन से उठवाया गया। इनकी वजह से सड़क पर यातायात जाम लग रहा था। पुलिस उपायुक्त, यातायात डॉ. राजेश मोहन ने लोगों से अपील की कि सड़कों पर वाहन को खड़ा नहीं करें। वहीं, नशे में वाहन चलाने पर 968 लोग पकड़े गए। इनमें से तीन वाहनों को जब्त किया है। तीन वाहन चालकों पर मुकदमा दर्ज किया है।

छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिए विभाग ने योजना बनाई

सरकारी स्कूलों के छात्र बनेंगे 'नन्हे वैज्ञानिक': गुरुग्राम के 14 और स्कूलों में खुलेंगी अटल टिंकरिंग लैब

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे। शिक्षा विभाग ने जिले के सरकारी स्कूलों को 'इनोवेशन हब' में बदलने की तैयारी पूरी कर ली है। नए शैक्षणिक सत्र में गुरुग्राम के 14 और सरकारी स्कूलों में 'अटल टिंकरिंग लैब' स्थापित की जाएंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों में विज्ञान, तकनीक और नवाचार के प्रति रुचि जगाना है, ताकि वे भविष्य के तकनीकी दौर के लिए खुद को तैयार कर सकें।

वर्तमान में गुरुग्राम जिले के 50 से अधिक सरकारी स्कूलों में ये लैब सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। नई लैब्स के जुड़ने से उन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी आधुनिक संसाधनों का लाभ मिलेगा, जो अब तक केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर थे। शिक्षा विभाग की यह योजना केवल गुरुग्राम तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे हरियाणा के 22 जिलों के 391 सरकारी स्कूलों में ऐसी लैब स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी निजी स्कूलों जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी।

इन लैब्स के भीतर का नजारा किसी आधुनिक रिसर्च सेंटर से कम नहीं होगा। यहाँ छात्रों को 3D प्रिंटर, रोबोटिक्स किट, माइक्रोकंट्रोलर और इलेक्ट्रॉनिक किट जैसे एडवांस उपकरण मिलेंगे। इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेंसर आधारित तकनीकों के माध्यम से छात्र स्मार्ट सिस्टम को समझ सकेंगे। इन संसाधनों की मदद से छात्र न केवल विज्ञान के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझ पाएंगे, बल्कि अपने नए आइडियाज पर प्रोजेक्ट और मॉडल भी तैयार कर सकेंगे। लैब में कंप्यूटर और प्रोजेक्टर की सुविधा भी होगी, जिससे डिजिटल लर्निंग और कोडिंग की शिक्षा को भी पंख मिलेंगे। शिक्षा विभाग ने इन लैब्स के लिए स्कूलों का चयन बहुत ही पारदर्शी और तय मानकों के आधार पर किया है। प्राथमिकता उन वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों को दी गई है जहां विज्ञान संकाय पहले से मौजूद है और छात्रों की संख्या पर्याप्त है। साथ ही, स्कूल में एक अलग उपयुक्त कमरे और योग्य विज्ञान शिक्षकों की उपलब्धता को भी अनिवार्य बनाया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि लैब केवल सजावट की वस्तु न बने, बल्कि वहां नियमित रूप से प्रयोगात्मक गतिविधियां हों, जिसके लिए अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन छात्रों को मिलता रहे।

राजधानी चौपाल की टीम इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम मानती है। यह पहल न केवल छात्रों की तकनीकी समझ को विकसित करेगी, बल्कि उनमें 'स्टार्टअप' और स्वरोजगार की सोच को भी जन्म देगी।

अटल टिंकरिंग लैब: भविष्य की शिक्षा के 5 मुख्य स्तंभ

- **आधुनिक लैब उपकरण:** छात्रों को 3D प्रिंटर, रोबोटिक्स किट, माइक्रोकंट्रोलर और सेंसर आधारित डिवाइस पर काम करने का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।
- **डिजिटल लर्निंग हब:** कंप्यूटर, इंटरनेट और प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और कोडिंग जैसी आधुनिक विधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।
- **नवाचार और स्टार्टअप:** विद्यार्थियों को अपने 'आउट ऑफ द बॉक्स' आइडियाज पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें उद्यमिता की सोच विकसित होगी।
- **व्यावहारिक ज्ञान:** विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को रटने के बजाय उन्हें प्रैक्टिकल मॉडल और प्रोजेक्ट के रूप में सीखने की अनूठी सुविधा।
- **विशेष मार्गदर्शन:** योग्य विज्ञान शिक्षकों और विशेषज्ञों की देखरेख में छात्रों को अनुसंधान और प्रयोग करने का सुरक्षित वातावरण।

न्यूज ब्रीफ

पांचवीं तक के छात्रों की परीक्षाएं 25 तक चलेंगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले के सरकारी स्कूलों में सोमवार से बाल वाटिका से लेकर कक्षा पांचवीं तक के छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। शिक्षा विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार ये परीक्षाएं 25 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। विभाग की ओर से बताया गया है कि लिखित परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र शिक्षा विभाग द्वारा पहले ही स्कूलों में भेज दिए गए हैं, ताकि सभी स्कूलों में एक समान परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। वहीं मौखिक परीक्षाएं टैब (टैबलेट) के माध्यम से ली जा रही हैं, जिसमें विद्यार्थियों का मूल्यांकन डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। जिले के सरकारी स्कूलों के करीब 40 हजार विद्यार्थी इन वार्षिक परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। सुशांत लोक स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के शिक्षक दुष्यंत ठाकरान ने बताया कि विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 16 मार्च को कक्षा पहली की अंग्रेजी, कक्षा दूसरी की गणित की परीक्षा आयोजित होगी।

बोर्ड परीक्षा से टीकाकरण अभियान की रफ्तार धीमी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, इन दिनों स्कूलों में बोर्ड परीक्षाएं संचालित होने के कारण इस अभियान की रफ्तार फिलहाल धीमी हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार परीक्षाएं समाप्त होने के बाद टीकाकरण अभियान में तेजी आने की उम्मीद है। जिले में 20,000 छात्रों को इस वैक्सीनेशन को लगाने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन अब तक 200 के करीब छात्राओं को भी वैक्सीन नहीं लग पाई है। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किए गए कार्यक्रम के तहत संचालित किया जा रहा है और जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से पात्र किशोरियों को टीकाकरण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत मुख्य रूप से 14 वर्ष की किशोरियों को लक्ष्य बनाकर सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर है और ह्यूमन पैपिलोमा वायरस इसके प्रमुख कारणों में शामिल है। विशेष रूप से एचपीवी के 16 और 18 प्रकार को अधिक खतरनाक माना जाता है।

इनेलो कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| इनेलो की 23 मार्च को नरवाना में होने वाले युवा सम्मेलन को लेकर सोमवार को इनेलो जिलाध्यक्ष शहरी कुलदीप कटारिया की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें सम्मेलन में जाने के लिए कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई। कुलदीप कटारिया ने कहा कि 23 मार्च को शहीदी दिवस पर नरवाना में युवा सम्मेलन होने जा रहा है। इसको लेकर इनेलो कार्यकर्ताओं में भारी जोश है। आने वाले समय में युवा हरियाणा में सरकार बदलने का काम करेगी।

पूर्व सैनिकों का मिलन समारोह आयोजित

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| शहीद परिवार कल्याण फाउंडेशन की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि और पूर्व सैनिकों का मिलन समारोह आयोजित किया। जिसमें फाउंडेशन से जुड़े पूर्व सैनिकों, अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। साथ ही फाउंडेशन से जुड़े पूर्व सैनिक सदस्यों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया, जिनका पिछले दो वर्षों के दौरान निधन हो गया।

सुनवाई की रिकॉर्डिंग करने पर अधिवक्ता का फोन जब्त

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई के दौरान अदालत की मर्यादा भंग करने का गंभीर मामला सामने आया है। स्पेशल न्यायधीश वाणी गोपाल शर्मा की अदालत ने कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे एक अधिवक्ता का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। अदालत ने अधिवक्ता के खिलाफ नियमों के उल्लंघन के तहत अलग से कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को विशेष अदालत में डब्ल्यूटीसी ग्रुप के प्रमोटर आशीष भल्ला के खिलाफ लगे आरोपों पर संज्ञान लेने के लिए सुनवाई चल रही थी। कार्यवाही के दौरान अदालत की नजर अधिवक्ता शिवम पर पड़ी, जो अपने मोबाइल फोन से गुपचुप तरीके से अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे। इस पर जज ने न केवल अधिवक्ता का मोबाइल मौके पर ही जब्त करने के आदेश दिए, बल्कि कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए।

होटल मालिक और प्रबंधक पर केस दर्ज

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| महावीर चौक पर बस अड्डे के समीप स्थित तीन होटल पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस को देखकर अवैध रूप से इन होटल में ठहरे लोग और कर्मचारी भाग खड़े हुए। पुलिस ने बिना पहचान पत्र के लोगों को होटल में ठहराने पर होटल मालिक और प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि श्रीराम होटल के कमरों में अवैध रूप से लोगों को रुकवाया जा रहा है। इनसे पहचान पत्र नहीं लिए जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर छापा मारा। पुलिस ने मौके पर रजिस्ट्री को देखा तो 43 लोगों के रूकने के बारे में जानकारी थी, लेकिन 10 लोगों के पहचान पत्र नहीं थे।

बच्चों के विवाद में सास-बहू को पीटा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| अर्जुन नगर कॉलोनी में बच्चों के विवाद में एक दंपति ने सास-बहू को पीट दिया। इस मामले में थाना न्यू कॉलोनी में शिकायत दी गई है। मामला दर्ज नहीं हो सका है। सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। शिकायतकर्ता खुशी ने बताया कि उसके और पड़ोसी विकास उर्फ विक्की के बच्चे एक साथ क्रिकेट मैच देख रहे थे। इस दौरान बच्चों के बीच में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

आदमपुर के रविदास नगर में सैकड़ों घरों को तोड़ने पहुंची टीम विरोध के चलते बैरंग लौटी

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | आदमपुर के रविदास नगर में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई के लिए पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अमला पहुंचा। विभाग की यहां करीब 400 परिवारों के मकानों को तोड़ने की तैयारी थी, लेकिन स्थानीय निवासियों के विरोध के चलते टीम को बिना कार्रवाई किए लौटना पड़ा। एक दिन पहले गुरुवार को बस्ती के लोगों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिला था और कार्रवाई रोकने की मांग की थी।

शुक्रवार को संभावित कार्रवाई को देखते हुए लेकिन ने अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की थी। आदमपुर के नागरिक अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में स्टाफ को मुस्तैद रहने के निर्देश थे। दमकल विभाग की गाड़ियां और एंबुलेंस भी तैनात रही। सुबह आदमपुर पुलिस स्टेशन में दो बसों में सैकड़ों पुलिसकर्मी पहुंचे। थाना प्रभारी विकास कुमार पहुंचे। इसके बाद शाम करीब चार बजे ड्यूटी मजिस्ट्रेट एचएसवीपी के एसडीओ रामप्रसाद तथा जेई चंद्रमोहन पुलिस बल के साथ कब्जा हटाने रविदास नगर पहुंचे। जैसे ही लोडर मशीनों से निर्माण गिराने की कोशिश की तो बस्ती के लोग विरोध में आगे बैठ गए। पुलिस ने लोगों को हटाने की कोशिश की लेकिन भारी विरोध को देखते हुए अधिकारियों को कार्रवाई रोकनी पड़ी।

रविदास नगर के लोगों का कहना है कि वे पिछले करीब 60 वर्षों से यहां रह रहे हैं और उनके पास बिजली, पानी तथा सीवरेज के नियमित कनेक्शन भी हैं। उनका कहना है कि सरकार के नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति 20 वर्षों से ज्यादा किसी स्थान पर रह रहा है और नियमित रूप से बिजली-पानी के बिल भर रहा है तो उसे मालिकाना हक देने की बात कहीं जाती है। ऐसे में उनके मकान तोड़ने की कार्रवाई समझ से परे है। बस्ती के लोगों ने बताया कि इससे पहले भी समस्या लेकर भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई से मिले थे। उस समय उन्होंने आश्वासन दिया था कि वे इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। वर्तमान में यहां करीब 400 परिवार निवास कर रहे हैं।

हिसार में ऊर्जा संकट की आहट

जेएसएल की गैस सप्लाई ठप, पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़ ; प्रशासन ने कहा- स्टॉक मेंटेन रखें

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के प्रमुख औद्योगिक केंद्र हिसार में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर एक बड़ी हलचल शुरू हो गई है। जिले की सबसे बड़ी औद्योगिक इकाई, जिंदल स्टेनलेस स्टील में गैस की मुख्य सप्लाई बंद हो चुकी है। इस खबर के फैलते ही औद्योगिक क्षेत्रों से लेकर आम जनता के बीच भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को लेकर चिंता की लहर दौड़ गई है। हालांकि, राहत की बात यह है कि कंपनी के पास फिलहाल 10 दिनों का बैकअप स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन अगर सप्लाई जल्द बहाल नहीं हुई, तो उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

हिसार के औद्योगिक क्षेत्रों में गैस की किल्लत की खबरों ने उद्यमियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। JSL में मुख्य सप्लाई रुकने के बावजूद अन्य कई गैस कंपनियों से आपूर्ति के विकल्प खुले हुए हैं। हिसार उद्योग संघ के अनुसार, शहर की अधिकांश इकाइयां अब परंपरागत एलपीजी से हटकर पीएनजी (PNG) पर स्थानांतरित हो चुकी हैं। वर्तमान में हिसार के इंडस्ट्रियल एरिया में करीब 40 से 50 ऐसी फैक्ट्रियां हैं जो पूरी तरह पीएनजी पर निर्भर हैं। यहां फिलहाल सप्लाई सुचारू है, जिससे उद्योगों के पहिए थमे नहीं हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि यदि आपूर्ति का यह संकट आगे बढ़ा, तो छोटे उद्योगों पर इसका असर पहले दिखना शुरू होगा।

घरेलू रसोई गैसः कमर्शियल सप्लाई पर ब्रेक, घरेलू उपभोक्ता सुरक्षित : आम आदमी के लिए राहत की खबर यह है कि जिला प्रशासन ने रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता पर रखा है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, रविवार को जिले भर में 7,729 सिलेंडर वितरित किए गए। गैस एजेंसियों के पास वर्तमान में 18,000 सिलेंडरों का बफर स्टॉक मौजूद है। हालांकि, एहतियात के तौर पर कमर्शियल गैस (व्यावसायिक सिलेंडर) की सप्लाई को फिलहाल सीमित या बंद रखा गया है ताकि घरेलू चूल्हों को जलने में कोई बाधा न आए।

पेट्रोल पंपों पर दबावः डीजल की मांग में अचानक उछाल

गैस संकट की खबरों और भविष्य की आशंकाओं के बीच जिले के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। हिसार और हांसी क्षेत्र के करीब 275 पेट्रोल पंपों पर पिछले 24 घंटों में डीजल की बिक्री सामान्य से अधिक रही है। लोगों में इस बात का डर है कि कहीं गैस की कमी के कारण परिवहन या अन्य वैकल्पिक साधनों के लिए तेल की किल्लत न हो जाए। प्रशासन ने स्थिति को भांपते हुए सभी पंप संचालकों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपनी स्टोरेज क्षमता के अनुसार स्टॉक को हमेशा मेंटेन रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में सप्लाई चेन न टूटे।

साइबर ठगों की नई साजिशः गैस बुकिंग के नाम पर लूट

ऊर्जा संकट और घबराहट के इस माहौल का फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं। जिले में गैस बुकिंग और सब्सिडी अपडेट करने के नाम पर फर्जी मैसेज और व्हाट्सएप कॉल के मामले सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी लोगों को डरा रहे हैं कि उनका गैस कनेक्शन कट जाएगा या सब्सिडी बंद हो जाएगी। इसके लिए वे एक लिंक भेजते हैं, जिस पर क्लिक करते ही बैंक खाते की जानकारी चोरी कर ली जाती है। पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक ऐप्स या एजेंसी के नंबरों से ही बुकिंग करें और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

गैस-तेल पर किसी अधिकारी ने क्या कहा

जिले में रसोई गैस की सप्लाई पूरी तरह दुरुस्त है। रविवार को ही हमने 7,729 सिलेंडर वितरित किए हैं और हमारे पास 18 हजार का बड़ा स्टॉक सुरक्षित है। पेट्रोल पंप संचालकों को स्टॉक मेंटेन रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मांग बढ़ने पर भी कोई कमी न रहे। कमर्शियल सप्लाई को फिलहाल मॉनिटर किया जा रहा है।'' **-अमित शेखावत,** डीएफएससी, हिसार।

हिसार और हांसी के 275 पंपों पर फिलहाल तेल की कोई किल्लत नहीं है। यह सही है कि पिछले दो दिनों में डीजल की खपत बढ़ी है, शायद लोग सावधानीवश स्टॉक कर रहे हैं। हमने सभी पंप मालिकों से कहा है कि वे अपनी आपूर्ति श्रृंखला को चुस्त रखें। सप्लाई सुचारू रूप से मिल रही है।'' **-राजकुमार सलेमगढ़,** अध्यक्ष, जिला पेट्रोल पंप एसोसिएशन।

हिसार इंडस्ट्रियल एरिया की अधिकांश फैक्ट्रियां पीएनजी पर कन्वर्ट हो चुकी हैं। करीब 40-50 बड़ी इंडस्ट्रीज में अभी पीएनजी की सप्लाई जारी है, इसलिए वहां काम बंद होने जैसा कोई खतरा नहीं है। सप्लाई चेन पर हमारी नजर बनी हुई है।'' **-देवेंद्र जैन,** अध्यक्ष, हिसार उद्योग संघ।

गैस बुकिंग के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सावधान रहें। कोई भी सरकारी विभाग या एजेंसी फोन पर ओटीपी (OTP) या बैंक डिटेल्स नहीं मांगती। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करना आपके खाते के लिए खतरनाक हो सकता है। ठगी होने पर तुरंत 1930 नंबर पर कॉल करें।'' **-शशांक कुमार,** एसपी, हिसार।

जिंदल स्टेनलेस को मानव संसाधन उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण उपलब्धि पुरस्कार

हिसार (राजधानी चौपाल) | जिंदल स्टेनलेस को 16वें नेशनल एचआर एक्सीलेंस अवॉर्ड कॉन्फ्लुएंस 2025-26 में सिग्निफिकेंट अचीवमेंट इन एचआर एक्सीलेंस (मानव संसाधन उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण उपलब्धि) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी द्वारा कर्मचारियों से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत करने और मानव संसाधन नीतियों को दीर्घकालिक विकास रणनीति के साथ जोड़ने के प्रयासों की मान्यता के रूप में दिया गया।

यह पुरस्कार जिंदल स्टेनलेस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुशील बवेजा, उपाध्यक्ष (एचआर) राजीव रंजन, हेड लर्निंग एंड डेवलपमेंट आनंद पचौरी और एसोसिएट मैनेजर एवं एचआरबीपी वेदिका आर्या ने प्राप्त किया। यह सम्मान कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की राष्ट्रीय समिति लीडरशिप एवं एचआर के अध्यक्ष तथा अडानी सीमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी एवं संयुक्त अध्यक्ष संजय बहल ने प्रदान किया। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि कंपनी की सफलता के पीछे उसके कर्मचारी ही सबसे बड़ी ताकत हैं। सीआईआई से मिला यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्यस्थल और मजबूत नीतियां विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुशील बवेजा ने कहा कि सीआईआई का एचआर एक्सीलेंस फ्रेमवर्क कंपनियों को उच्च मानक स्थापित करने में मदद करता है। सिग्निफिकेंट अचीवमेंट इन एचआर एक्सीलेंस श्रेणी में मिला यह सम्मान टीम के निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

हर परिस्थिति में जनहितों के लिए संघर्ष करते रहेंगेः कुलदीप बिश्नोई

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने शनिवार को आदमपुर हलके के आधा दर्जन गांवों का दौरा कर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के सुख-दुख में शिरकत की। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि हलके गांवों में आधारभूत सुविधाओं को और ज्यादा मजबूत करना उनकी व भव्य बिश्नोई की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे लगातार गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क बनाए रखें और उनकी समस्याओं को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करें। कुलदीप बिश्नोई ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनकी राजनीति हमेशा संघर्ष, स्वाभिमान और जनता के अधिकारों की लड़ाई पर आधारित रही है। जनसेवा और जनहित के लिए जो संकल्प उन्होंने लिया है, उसे वे निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा सिद्धांतों और स्वाभिमान की राजनीति को प्राथमिकता दी है। जनता के विश्वास और सहयोग के कारण ही उन्हें लगातार आगे बढने की प्रेरणा मिलती रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकत्ताओं व आम जनमानस का स्नेह और समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है और यही विश्वास उन्हें हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़े रहने की प्रेरणा देता है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भजन लाल ने प्रदेश में विकास और जनसेवा की जो मजबूत नींव रखी, उसे आगे बढ़ाना उनका कर्तव्य और दायित्व है।

रामायण गांव के फुटबॉल टूर्नामेंट में मसूदपुर की टीम विजेता बनी

हिसार (राजधानी चौपाल) | रामायण गांव में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट को कैनरा बैंक की हिसार कैंट शाखा द्वारा प्रायोजित किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक पंकज वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कैनरा बैंक हिसार कैंट शाखा की ओर से भगत सिंह फुटबॉल क्लब रामायण को खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए 15 स्पोर्ट्स किट और 10 फुटबॉल भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान गांव के लोगों ने शाखा प्रबंधक पंकज वर्मा का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया।

इस मौके पर भगत सिंह युवा क्लब रामायण की ओर से खेलों के संचालक विक्रम मलिक ने कैनरा बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक द्वारा ग्रामीण युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी क्लब बैंक के साथ मिलकर ग्रामीण विकास और युवाओं के उत्थान के लिए कार्य करता रहेगा। वहीं शाखा प्रबंधक पंकज वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कैनरा बैंक हमेशा से समाज सेवा और ग्रामीण विकास के कार्यों में अग्रणी रहा है। बैंक का उद्देश्य केवल बैंकिंग सेवाएं देना ही नहीं, बल्कि युवाओं को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। इस अवसर पर गांव के अनेक गणमान्य लोग, बुजुर्ग और युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे तथा टूर्नामेंट को लेकर गांव में विशेष उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट की विजेता मसूदपुर गांव की टीम रही।

न्यूज ब्रीफ

लुधियाना तक चलने वाली ट्रेन को अमृतसर तक बढ़ाने की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

हिसार (राजधानी चौपाल) | नाम सिमर वैलफेयर सोसायटी के सदस्यों ने स्थानीय विधायक सावित्री जिंदल को ज्ञापन देकर हिसार से लुधियाना तक चलने वाली कई ट्रेनों में से एक ट्रेन का विस्तार अमृतसर रेलवे स्टेशन तक करवाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में सोसायटी के प्रधान प्रवीन हिन्दू, जगदीश कुकरेजा, सतपाल मधु, बंसीधर डेयरी वाले, दिनेश, बरवाला स्टेशन कंसल्टेटिव कमेटी के सदस्य सौरभ चुघ आदि शामिल रहे। सोसायटी ने रेलवे बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर (कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा के नाम लिखे पत्र में कहा है कि हिसार से चार ट्रेन लुधियाना और एक ट्रेन धुरी के लिये चलती है। हरियाणा से अमृतसर, ब्यास, जालंधर कैंट व नकोदर के लिये दिन में केवल एक ही ट्रेन चलती है जिसमें हरियाणा, राजस्थान, पंजाब की संगत, व्यापारी वर्ग, आर्मी स्टॉफ, पारिवारिक सदस्य जिनमें बच्चे, महिलाएं भी यात्रा करते हैं। भारी भीड़ होने के कारण आम जन को व संगत को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सोसायटी ने कोई एक टे्रन विशेषकर प्रातः 5:20 बजे वाली ट्रेन को अमृतसर तक बढ़ाने की मांग की है। विधायक सावित्री जिंदल ने सोसायटी के सदस्यों को विश्वास दिलाया कि वे अपने सांसद पुत्र नवीन जिंदल की मार्फत रेल मंत्री को ज्ञापन भिजवा कर इस मांग को पूरा करवाने का भरपूर प्रयास करेंगी।

ज्वालाजी से लाई गई पावन अखंड ज्योत शोभा यात्रा के साथ हनुमान मंदिर, मोती बाजार में पहुंची

हिसार (राजधानी चौपाल) | मां भगवती की असीम कृपा से हनुमान मंदिर मंडल, मोती बाजार हिसार में नवरात्रि के पावन अवसर पर सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली हर प्रकार से सुख-समृद्धि, धन-वैभव, सम्मान को बढ़ाने वाली हर प्रकार के दुख, कष्ट, विघ्न, बाधाओं एवं बीमारियों को हरने वाली विशेष तौर पर ज्वालाजी से मां लाटां वाली की पावन अखंड ज्योत आज लाई गई, जो प्रातः 10:15 बजे विशाल शोभायात्रा के साथ तिलक बाजार, गुलाब सिंह चौक, वकीलान बाजार, गीता पनवाड़ी चौक, मोती बाजार, पुरानी तहसील व गांधी चौक से होती हुई मंदिर में विराजमान की गई। मंदिर के प्रधान रमेश कुमार लोहिया नंगे पांव मैय्या की पावन ज्योति अपने हाथों में लेकर मंदिर में पहुंचे। उनके साथ 31 महिलाएं माता की ध्वजा निशान लेकर साथ चल रही थी। ज्योत के आगे मंदिर के सरपरस्त जय प्रकाश डालमिया, चांदी की इत्र दानी से पूरे रास्ते इत्र का छिडक़ाव कर रहे थे। ज्योत के साथ मंदिर के पदाधिकारी सज्जन गुप्ता, अमित गुप्ता, अनूप गुप्ता, महेंद्र कुमार बंसल, अशोक जैन, ललित घड़ीसाज, इंद्रसैन दवाई वाले, सुरेंद्र जैन, सुदेश सोनी, संजीव शर्मा, प्रवीन बंसल, राजेश कुमार लोहिया, पिंकेश लोहिया, युगल चौधरी, राधेश्याम अग्रवाल, आशीष गोयल, वीरभान बंसल, विनोद गुप्ता कटला रामलीला प्रधान, राजेंद्र बंसल नेताजी, पुजारी राजेश शास्त्री, भंवरलाल शर्मा, कर्ण अग्रवाल, परसराम कपड़े वाले आदि माता रानी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में सभी दुकानदारों में पवित्र ज्योत पर पुष्प चढक़र माता का आशीर्वाद लिया।

राजकीय महिला महाविद्यालय में केक बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार (राजधानी चौपाल) | राजकीय महिला कॉलेज में गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शशी कला यादव की अध्यक्षता में 'केक बनाओ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इसमें 26 छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं ने चोकलेट केक, पाइन एप्पल केक, चोको लावा केक, वनीला केक, ओरियो केक, मिल्क केक, बिस्किट केक, आटा केक, स्ट्राबेरी केक, बटर स्कॉच केक, सूजी केक, चोको पाई केक, मलाई केक आदि विभिन्न प्रकार के केक बनाए। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. नीलम कुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर बोटनी, विपिन बब्बर एसोसिएट प्रोफेसर कम्प्यूटर साइंस, कविता सैनी, सहायक प्रोफेसर जियोग्राफी ने बखूबी निभाई। इस प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा दीपांशी ने प्रथम, सानिया ने द्वितीय तथा अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सतबीर सिंह सांगा ने छात्राओं को इतने अच्छे केक बनाने पर बहुत ज्यादा प्रशंसा की तथा बेकरी में अपना करियर घर में रह कर ग्रामीण स्तर पर शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

हरियाणा राज्य फार्मेसी काउंसिल में पेपरलेस होगा काम : चेयरमैन

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा स्टेट फार्मेसी कौंसिल को जल्द पेपरलेस बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। काउंसिल के चेयरमैन बी.बी सिंगल व कार्यकारी समिति सदस्य फार्मेसी ऑफिसर रविंद्र चोपड़ा ने संयुक्त बयान में बताया कि कौंसिल के कामकाज को डिजिटल बनाने के लिए पुरानी फाइलों और रिकॉर्ड को स्कैन कर सर्वर पर अपलोड किया जा रहा है। कौंसिल में करीब 70 हजार फार्मासिस्ट पंजीकृत हैं, इसलिए रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने के लिए डिजिटल सिस्टम लागू किया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्रेशन से जुड़ी सभी फाइलें पहले रिसेप्शन पर स्कैन होकर ऑनलाइन सिस्टम में अपलोड होंगी और उसके बाद अधिकारियों द्वारा उनका डिजिटल प्रोसेस किया जाएगा। फार्मासिस्टों के पंजीकरण के लिए नया वेब पोर्टल भी शुरू किया है, जिसके माध्यम से आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और उन्हें आवेदन की स्थिति की जानकारी मैसेज के जरिए मिलती रहेगी।

बनभौरी धाम में संत समागम 19 को

हिसार (राजधानी चौपाल) | गांव बनभौरी में स्थित बनभौरी धाम में वैदिक भूमि फाउंडेशन की ओर से श्री ब्रह्मचारी महाराज के मंगल वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में 19 मार्च को दिव्य संत समागम और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जय माता शिक्षण संस्थान बनभौरी परिसर में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित होगा। वैदिक भूमि फाउंडेशन बनभौरी धाम के संस्थापक महंत सुरेंद्र कौशिक बताया कि दिव्य संत समागम में विभिन्न स्थानों से संत-महात्मा पहुंचकर सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म और अध्यात्म का संदेश देंगे।उन्होंने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों के साथ 19 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाएगा। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम मरीजों की हृदय, कैंसर तथा आंखों से संबंधित बीमारियों की जांच करेगी। चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क उपचार और आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। कार्यक्रम में पूजनीय संत-महात्माओं के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजन की अध्यक्षता धाम के पुजारी करेंगे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

लुवास पशु चिकित्सा मेले में 200 पशुओं का हुआ इलाज

हिसार (राजधानी चौपाल) | लुवास के विशेषज्ञों ने पलवल के गांव गेलपुर में पशुपालकों के लिए पशु चिकित्सा मेला लगाया गया। कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में यूनिट लेवल किसान मेले का आयोजन किया, जिसमें न केवल पशुओं की बीमारियों की जांच की गई, बल्कि गंभीर मामलों में मौके पर ही शल्य चिकित्सा भी की गई। शिविर में गाय, भैंस, बकरी और कुत्तों सहित करीब 200 पशुओं का हेल्थ चेकअप हुआ। लुवास के वैज्ञानिकों ने पशुओं में होने वाली घुटने के पुराने फोड़े और अन्य गांठों का ऑपरेशन किया गया। बांझपन, गर्भाधान की जांच और फूल दिखाने प्रोलेप्स की समस्या। थनैला, बुखार और शरीर पर रहने वाले परजीवियों का इलाज। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. गौतम के निर्देशन में इस मेले में जागरूकता कैंप लगा। विशेषज्ञों ने बताया कि पशुओं का दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए केवल चारा काफी नहीं, बल्कि खनिज मिश्रण मिनरल मिक्सचर बहुत जरूरी है। कैंप में आए सभी पशुपालकों को मुफ्त दवाइयां और मिनरल मिक्सचर के पैकेट बांटे गए। पशुपालन विभाग के डॉ. जय सिंह ने पशुपालकों को सरकारी स्कीमों और बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी। पशु विज्ञान केंद्र, पलवल की संयोजिका डॉ. रेखा दहिया के नेतृत्व में डॉ. नीरज अरोड़ा, डॉ. रिक्की, डॉ. जसमेर और डॉ. रेमन मोर सहित इंटर्नशिप विद्यार्थियों की टीम ने सेवाएं दीं।

कोहली गोशाला में श्रीमद्भागवत गोकथा से पहले निकाली कलश यात्रा

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | गांव कोहली स्थित श्रीकृष्ण नंदी गोशाला में शनिवार से श्रीमद्भागवत गो कथा का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ के अवसर पर गांव के ठाकुरजी मंदिर से कथास्थल तक श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भगवान के जयकारों के साथ शोभायात्रा में भाग लिया। पहले दिन कथा का शुभारंभ गांधीधाम (गुजरात) से पहुंचे समाजसेवी देवकीनंदन बंसल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आचार्य दिनेशानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति और सत्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति और गौ सेवा से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। कथा के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गोशाला कमेटी प्रधान छगनलाल गोयल ने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन भजन-कीर्तन किया जाएगा। इस दौरान आकर्षक झांकियों के साथ गायक कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। कथा के अंतिम दिन 20 मार्च को हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस-भाजपा को एक-एक सीट : कांग्रेस के 5 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की; हुड्डा बोले- हमें नाम पता हैं, हाईकमान को बता दिए

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा राज्यसभा चुनाव में आधी रात तक चले सियासी ड्रामे के बाद आखिर भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध को विजेता घोषित कर दिया गया। कांग्रेस के 9 वोट खराब हुए। इनमें से 4 रद्द हुए, जबकि 5 विधायकों ने निर्दलीय सतीश नांदल के पक्ष में वोट किया। BJP का एक वोट रद्द होने पूरे चुनाव का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इससे कांग्रेस के बौद्ध महज .66 (पाइंट) यानी एक वोट से भी कम अंतर से जीत गए। सूत्रों के मुताबिक BJP का जो वोट रद्द हुआ है, उस पर पेन से एक डॉट का निशान लगा हुआ था। हालांकि अभी यह सार्वजनिक नहीं हुआ है कि यह वोट किसका है। इनेलो के 2 विधायकों का वोटिंग से दूर रहना भी निर्णायक रहा। ये वोट निर्दलीय के पास जाते तो कांग्रेस की हार तय थी।। कुल 90 में 88 विधायकों ने वोट डाले। कांग्रेस के 4 और भाजपा का 1 वोट रद्द हो गया, जिसके चलते 83 वोट वैध माने गए। संजय भाटिया को पहली प्राथमिकता के 27.66 वोट मिले। निर्दलीय नांदल को 27.34 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध को 28 वोट मिले। इस प्रकार, नांदल, बौद्ध से केवल 0.66 वोट, यानी एक वोट से भी कम अंतर से हार गए।

इसे लेकर मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र में जमकर हंगामा भी हुआ। कांग्रेसियों ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। स्पीकर ने एक घंटे के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा कि कांग्रेस को पता है कि किन 5 विधायकों ने क्रॉस वोट किया। हाईकमान को सूचित कर दिया गया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। इन लोगों ने पार्टी के साथ ही नहीं उस जनता के साथ भी धोखा किया, जिन्होंने उन्हें चुना था।

विधानसभा में हंगामे के बाद हुड्डा ने चुनाव को लेकर कही ये बातें

- **हुड्डा बोले-मैंने वत्स की वोट देखी, कांग्रेस को गई:** भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा-बादली विधायक कुलदीप वत्स की वोट कांग्रेस को आई, मैंने खुद वोट देखी। उन्होंने टोहाना विधायक परमवीर सिंह और ऐलनाबाद विधायक भरत सिंह बेनीवाल को भी मीडिया के सामने पेश किया। परमवीर ने कहा- मैंने बिल्कुल सही वोट डाली है। गलत तरीके से अमान्य किया गया।
- **सोशल मीडिया पर 5 नामों पर कहा- मैं तो इसे देखना नहीं :** पत्रकारों ने कहा कि सोशल मीडिया पर कांग्रेस के 5 विधायकों के नाम चल रहे हैं, जिन्होंने क्रॉस वोट किया। इस पर हुड्डा ने कहा-मैं तो सोशल मीडिया देखना ही नहीं। जो नाम थे, हमने हाईकमान को बता दिए हैं। कुछ शिष्टाचार होते हैं, इसलिए ये 5 नाम सार्वजनिक नहीं कर रहा। वैसे सबको मालूम है।

कांग्रेस और भाजपा के जीत का समीकरण जानिए...

कुल 90 विधायकों के वोट थे, जिनमें से 2 ने वोट नहीं डाला और 5 वोट रद्द हो गए। इस प्रकार, कुल 83 वोट बचे। भाजपा के 48 विधायकों में से 1 का वोट रद्द हो गया, जिससे 47 वोट बचे। पहली प्राथमिकता वाले वोट भाटिया को 39 और नांदल को 8 मिले। कांग्रेस के 37 विधायकों में से 4 वोट रद्द हो गए और 5 ने क्रॉस वोटिंग की, जिससे 28 वोट बचे। इससे कर्मवीर बौद्ध की जीत तय हो गई।

भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को पहली प्राथमिकता के 16 वोट मिले, जिनमें भाजपा के 8, कांग्रेस के 5 और निर्दलीय के 3 वोट शामिल हैं। 83 वैध वोट पड़े हैं। वोट वैल्यू का फार्मूला है कि कुल वैध वोट को (सीटों की संख्या + 1) से भाग दें। फिर जो संख्या आए उसमें 1 जोड़ दें। यही जीत का आंकड़ा (कोटा) होता है।

इसके हिसाब (वैध वोट 83/2+1=27.66) से भाजपा के संजय की पहली प्राथमिकता वाले 27.66 वोट से जीत हुई। पहली प्राथमिकता के बचे 11.34 वोट दूसरी प्राथमिकता वाले प्रत्याशी को शिफ्ट हुए। यानी नांदल को 27.34 वोट मिले, और वे भाजपा का एक वोट रद्द होने के कारण कांग्रेस के बौद्ध (28 वोट) से 0.66 वोट से पीछे रह गए।

सवाल-जवाब में समझें... कैसे बदला खेल और किसे फायदा-नुकसान हुआ...

Q. इनेलो के 2 वोट डलते तो कैसे बदलता नतीजा?
A. यदि इनेलो ने राज्यसभा चुनाव से दूरी न बनाई होती तो नतीजे कुछ और हो सकते थे। कांग्रेस की जीत .33 वोट वैल्यू यानी एक से भी कम वोट के अंतर से हुई। इनेलो निर्दलीय नांदल को वोट देती तो उनकी जीत तय थी।

Q. भाजपा की एक वोट रद्द होने से कैसे गड़बड़ हो गई?
A. यदि भाजपा का एक वोट रद्द न हुआ होता, तब भी नतीजे बदल जाते। क्योंकि उस स्थिति में सतीश नांदल के पास कांग्रेस से अधिक वोट वैल्यू होती।

Q. भरत सिंह बेनीवाल का वोट रद्द होता तब क्या होता?
A. वोट सीक्रेसी को लेकर कांग्रेस विधायक भरत सिंह बेनीवाल के वोट की शिकायत हुई थी। हालांकि जांच में वह वोट वैलिड निकला। अगर यह वोट रद्द हो जाता तो कांग्रेस ये चुनाव हार सकती थी।

Q. 9 वोट गंवाने के बावजूद कांग्रेस कैसी जीत गई?
A. इनेलो के 2 वोट न डलने और 5 वोट रद्द होने से कुल 83 वोटों की गिनती हुई। ऐसे में जीत का कोटा 27.66 वोट रह गया। इसलिए कांग्रेस 5 क्रॉस वोट और 4 वोट रद्द होने के बाद भी जीत गई। क्योंकि उसके पास 28 वोट बच गई।

Q. पिछली बार के मुकाबले कांग्रेस में अलग क्या था?
A. इस बार कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं। जीत के कोटा वोट पहले से अधिक थे। 2022 में पार्टी के पास 31 विधायक ही थे। 2 वोट में ही खेल हो गया था।

Q. कांग्रेस के मास्टर स्ट्रोक क्या रहे?
A. राहुल गांधी ने गुटबाजी को देखते हुए अपनी पसंद का प्रत्याशी बनवाया। जिनके ऊपर किसी गुट की छाप नहीं थी। अनुसूचित समाज से प्रत्याशी बनाकर अपने कोर वोटबैंक को साधने की कोशिश की। 3 दिन की बाड़ाबंदी का फायदा मिला।

Q. कांग्रेस के भीतर क्या असर होगा?
A. नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कद बढ़ेगा। पहले दिन से हुड्डा ने ही विधायकों को संभालने की कमान थामी। हुड्डा खुद चंडीगढ़ में रहे, जबकि सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा को विधायकों के साथ हिमाचल भेजा। हालांकि 5 क्रॉस वोट पर हाईकमान को जवाब देना होगा।

Q. भाजपा कहां चूक गई?
A. भाजपा ने शुरू में ही आक्रामक रणनीति अपनाकर कांग्रेस को बैकफुट पर धकेला। पार्टी के उपाध्यक्ष सतीश नांदल को निर्दलीय उतार 2016 और 2022 वाला फॉर्मूला अपनाया। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी को पर्यवेक्षक बनाया। हालांकि, जीत के लिए जरूरी वोट नहीं जुटा पाई। भाजपा का एक वोट रद्द होना भी कांग्रेस के पक्ष में गया।

Q. इनेलो वोटिंग से दूर क्यों हुई?
A. असल में इनेलो फंस गई थी। वोटिंग में शामिल होने पर हॉर्स ट्रेडिंग का भागीदारी बनने का आरोप लगता। कांग्रेस प्रचारित करती कि BJP की बी टीम है। परंपरागत प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस से हाथ मिलाने से नुकसान का खतरा था। जाट वोट बैंक की नाराजगी भी झेलनी पड़ सकती थी।

2 पॉइंट में जानिए रिजल्ट आने में इतना समय क्यों लगा...

- **काउंटिंग शुरू होने से पहले 3 आपत्तिः** काउंटिंग शाम 5 बजे शुरू होनी थी। इससे पहले ही राज्यमंत्री गौरव गौतम ने टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह और मंत्री कृष्ण बेदी ने ऐलनाबाद विधायक भरत सिंह बेनीवाल के वोट की सीक्रेसी लीक करने की शिकायत की। वहीं, कांग्रेस विधायक भारत भूषण बत्रा ने मंत्री अनिल विज के खिलाफ भी यही शिकायत दर्ज कराई। इस पर काफी विवाद हुआ, जिसके कारण 5 बजे गिनती शुरू नहीं हो पाई।
- **परमवीर सिंह का वोट रद्द हुआः** मामला केंद्रीय चुनाव आयोग तक पहुंचा। जांच में परमवीर सिंह का वोट रद्द कर दिया गया, जबकि भरत सिंह बेनीवाल और अनिल विज का वोट वैध माना गया। इसके बाद रात 10:25 बजे गिनती की प्रक्रिया शुरू हुई। स्क्रीनिंग के दौरान भी कैंसिल वोटों पर विवाद हुआ। काउंटिंग शुरू हुई तो कांग्रेस के 5 विधायकों की क्रॉस वोटिंग सामने आई। साथ ही इनके 4 वोट भी रद्द हुए। भाजपा का भी एक वोट रद्द हुआ। इसके बाद रात 1:10 बजे रिजल्ट घोषित किया गया।

अभय चौटाला की सुरक्षा पर केंद्र खामोश क्योंः कोर्ट

हाई कोर्ट ने कहा-जवाब दें, वरना जुर्माना लगेगा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला को विदेशी नेटवर्क से मिली जान से मारने की धमकी के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा को लेकर अपना रुख स्पष्ट न करने से नाराज हाई कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि अगली सुनवाई तक जवाब दाखिल नहीं किया गया, तो सरकार पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। मामले पर अब 22 अप्रैल को सुनवाई होगी।

चंडीगढ़ पुलिस ने हाई कोर्ट में अपना जवाब दाखिल कर दिया है। पुलिस ने अदालत को बताया कि धमकी देने के लिए जिस मोबाइल नंबर का इस्तेमाल हुआ, वह विदेशी नेटवर्क से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार लगातार गश्त की जा रही है। चौटाला के सेक्टर-9 स्थित आवास के पास पेट्रोलिंग व पीसीआर वाहनों की गश्त बढ़ा दी गई है।

यह है मामला : याचिका में कहा गया है कि उन्हें पिछले कुछ समय से लगातार अज्ञात व्यक्तियों, विदेशी नंबरों और अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टरों की ओर से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। चौटाला ने केंद्रीय सुरक्षा बल द्वारा सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की है। याचिका में 15 जून 2023 से लेकर 15 जुलाई 2025 तक कई बार धमकियां मिलने का दावा किया गया है।

जिस किसान के खेत में रोपा था धान, उसकी बेटी की शादी में पहुंचे राहुल

गोहाना (राजधानी चौपाल) | लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को सोनीपत के मदीना गांव शादी के किसान संजय की बेटी तनु की में शामिल हुए। राहुल ने संजय के खेत में 8 जुलाई 2023 को धान रोपा था। तनु की रोहतक के सुंदरपुर निवासी सुनील के साथ मंगलवार रात को शादी हुई। किसान परिवार ने 25 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी को न्योता दिया था। संजय के घर राहुल सुबह 10:15 बजे पहुंचे और करीब 1 घंटे तक रहे। इस दौरान उन्होंने शादी के गीत सुने और रस्मों के बारे में पूछा। उनके साथ सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी थे।

राहुल ने पूछा- लड़का क्या करता है... : जिस लड़के से तनु की शादी थी। उसके बारे में राहुल ने पूछा- लड़का क्या करता है। परिजनों ने बताया कि अभी पढ़ाई पूरी (बीए) की है। राहुल को दूध के साथ देसी घी का चूरमा खिलाया। राहुल ने सोशल मीडिया पर लिखा-खाना स्वादिष्ट तो होना ही था, अन्नदाता के घर का जो था।

न्यूज ब्रीफ

विकसित बंगाल के लिए जनता परिवर्तन का संकल्प लेः नायब

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वर्णिम और विकसित बंगाल के निर्माण के लिए जनता को परिवर्तन को संकल्प मजबूत करना होगा। उन्होंने पारदर्शी शासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास आधारित राजनीति पर जोर दिया। मुख्यमंत्री मंगलवार को पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के कुल्पी में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और अव्यवस्था में फंसी सरकार को बदलने का जनआह्वान है। उन्होंने कहा कि जनसभा में उमड़ी भीड़ इस बात का संकेत है कि बंगाल अब परिवर्तन और विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। सैनी ने कहा कि बंगाल की धरती ने देश को स्वामी विवेकानंद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बंकिमचंद्र चटर्जी जैसे महान सपूत दिए हैं, जिन्होंने देश को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 परगना क्षेत्र मेहनती मछुआरों और किसानों की भूमि है, लेकिन यहां के किसानों को सुविधाएं और बाजार नहीं मिल पा रहे, युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं और भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व हिंसा का माहौल बना हुआ है।

भू-मित्र' वॉट्सएप चैटबॉट किया लॉन्च

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 'भू-मित्र' नाम से वॉट्सएप आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है, जो भूमि और राजस्व से संबंधित सेवाएं लेने वाले नागरिकों को 24/7 सहायता प्रदान करेगा। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध यह चैटबॉट राज्य के हर नागरिक के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। भू-मित्र चैटबॉट के माध्यम से नागरिक फिलहाल चार प्रमुख राजस्व सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। भूमि स्वामित्व और खेती संबंधी रिकॉर्ड के लिए जमाबंदी की प्रति, भूमि स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित इंतकाल (म्यूटेशन) की प्रति, संबंधित मामलों के लिए मुआवजा पंजीकरण व दस्तावेज पंजीकरण (डीड रजिस्ट्रेशन) से संबंधित सहायता। इसके अतिरिक्त चैटबॉट के माध्यम से डीड टोकन जनरेशन, भूमि सीमांकन के लिए आवेदन, भूमि एवं राजस्व से जुड़ी शिकायत दर्ज करना व शिकायत की स्थिति की रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं भी वॉट्सएप पर उपलब्ध होंगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि नागरिक वॉट्सएप नंबर 9593300009 पर मैसेज भेजकर भू-मित्र सेवा का उपयोग कर सकते हैं।

पूर्व मंत्री संपत सिंह का आरोप : बिजली खरीद में सिक्किम की कंपनी को 1300 करोड़ दिए

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | प्रदेश में बिजली की खरीद से जुड़े एक मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। आरोप है कि करीब 1300 करोड़ रुपए का भुगतान सिक्किम की कंपनी को किया गया है, जबकि इसके लिए न तो सीएम और न ही बिजली मंत्री से मंजूरी ली गई। इस मामले में इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय संरक्षक और पूर्व वित्त एवं बिजली मंत्री प्रो. संपत सिंह ने हरियाणा पावर यूटिलिटीज द्वारा कंपनी को किए गए इस भुगतान की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। प्रो. संपत सिंह ने आरोप लगाया कि अक्टूबर 2025 में लगभग 1300 करोड़ का भुगतान मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री की अनिवार्य स्वीकृति के बिना ही कर दिया गया, जो सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से हटकर है। उन्होंने कहा कि यदि शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने मंजूरी नहीं दी, तो फिर यह भुगतान किसके निर्देश पर किया गया? उनके अनुसार यह केवल प्रक्रिया की गलती नहीं बल्कि एक बड़ी साजिश का संकेत भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एक ओर आम जनता पर बिजली दरों और सरचार्ज का बोझ बढ़ा रही है, जबकि दूसरी ओर फ्लैश फ्लड के कारण बंद पड़े एक प्रोजेक्ट से जुड़ी निजी कंपनी को इतनी बड़ी राशि का भुगतान कर रही है। वर्ष 2022 में एक बड़ी कंपनी को 712.72 करोड़ का भुगतान मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद किया गया था, जबकि इस मामले में मुख्य अपील अभी लंबित होने के बावजूद जल्दबाजी में भुगतान कर दिया गया।

सीएम ने स्थानांतरित किए पोल को भी दोबारा उपयोग में लाने के निर्देश दिए

सड़कों के किनारे लगे खराब, अनुपयोगी बिजली के पोलों को तुरंत हटाएंः नायब

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | सीएम नायब सिंह सैनी ने सिविल सचिवालय में पीडब्लूडी, बिजली निगम में बिजली की तारों व पोलों से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। सीएम अधिकारियों ने को निर्देश दिए कि सड़क किनारे लगाए जाने वाले बिजली के पोलों की उचित दूरी सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को असुविधा न हो व वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से बनी रहे। पक्की सड़कों से कम से कम 3 फीट की दूरी पर ही पोल लगाएं, इससे सड़क पर चलने वाले वाहनों को पर्याप्त जगह मिल सके व दुर्घटनाओं की संभावना भी कम हो। सड़कों के किनारे लगे खराब, जर्जर या अनुपयोगी बिजली के पोलों को

तुरंत हटाएं। जो पोल किसी कारणवश स्थानांतरित किए गए हैं, उन्हें बेकार न छोड़ते हुए दोबारा उपयोग में लाया जाए। इससे सरकारी संसाधनों की बचत होगी व कार्यों में भी तेजी आएगी।

बिना कारण के निर्धारित कार्यों के खर्च में बढ़ोतरी न हो : सीएम ने कहा कि सिंचाई विभाग के कार्यों में बिना उचित कारण के निर्धारित कार्यों के खर्च में बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए। सीएम शुक्रवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने हमीदा हेड से पिचोलिया हेड तक संवर्धन नहर के पुनर्निर्माण कार्य की समीक्षा की व निर्धारित अवधि में कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। वेस्टर्न यमुना कैनाल पर रेलवे ब्रिज के निर्माण कार्य को लेकर भी निर्देश दिए। अगर किसी कार्य में ठेकेदार की गलती से कार्य की कीमत में इनहांसमेंट आती है तो उसको ब्लैक लिस्ट करें। अगर किसी अधिकारी की गलती से प्रोजेक्ट की कीमत में वृद्धि होती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

हर छात्रवृत्ति पोर्टल शुरू, 8 लाख वार्षिक आय वाले परिवार भी कर सकेंगे आवेदन

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | सरकार ने विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 'हर छात्रवृत्ति पोर्टल' नाम से नई सुविधा शुरू की है। इसमें वार्षिक आय 1.80 लाख से 8 लाख रुपए तक के परिवार आवेदन कर सकेंगे, जबकि अधिकांश छात्रवृत्ति योजनाओं की आय सीमा 2.5 लाख रुपए निर्धारित है। पीपीपी के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने बताया कि पहले ऐसे कई परिवार जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए थी, छात्रवृत्ति से वंचित रहते थे। नए प्रावधान के तहत ऐसे परिवार अब ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और बच्चों के लिए मान्य आय प्रमाण पत्र जारी होगा। प्रमाण पत्र में वार्षिक आय सीमा 2.5 लाख रुपए दर्शाई जाएगी।

आवेदकों को 5-5 हजार रुपए का मुआवजा मिलेगा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन (एचआरएससी) ने फरीदाबाद की भावना गुप्ता और अमनदीप से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि संबंधित भूमि पर वर्ष 2009 से उच्च न्यायालय के आदेशों के तहत स्थगन (स्टे) लागू है। इसके बावजूद हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने 18 जनवरी, 2023 और 22 मार्च, 2023 को उस प्लॉट्स की नीलामी कर दी। आयोग ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह न्यायालय की अवमानना के साथ-साथ धोखाधड़ी से संबंधित दंडात्मक प्रावधानों के अंतर्गत भी आ सकता है। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि यदि किसी निजी कॉलोनाइजर द्वारा बिना वैध स्वामित्व के प्लॉट बेचा जाता, तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाती। आयोग ने यह भी उल्लेख किया कि इस मामले के तथ्य संजीव वर्मा और हिमांशु शर्मा से संबंधित पूर्व मामलों के समान हैं, जिनका निपटारा आयोग द्वारा 19 फरवरी, 2026 को किया जा चुका है। इसी आधार पर आयोग ने वर्तमान संशोधन याचिकाओं का निपटारा करते हुए हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट की धारा के तहत दोनों रिवीजनिस्ट्स को पांच-पांच हजार रुपए का मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने एचएसवीपी को आदेश दिया है कि यह राशि 15 दिनों के भीतर अदा की जाए और 30 मार्च, 2026 तक इसकी अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

राज्यसभा चुनावः तीनों उम्मीदवारों पर सरकार का एक पैसा भी बकाया नहीं

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा से राज्यसभा चुनाव के लिए मैदान में उतरे तीनों दिग्गजों का सरकारी रिकॉर्ड पूरी तरह क्लीन है। रिटर्निंग ऑफिसर पंकज अग्रवाल द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, किसी भी उम्मीदवार पर सरकार का एक पैसा भी बकाया नहीं है। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए उम्मीदवारों द्वारा दाखिल शपथ-पत्रों का ब्योरा साझा किया है। इसमें भाजपा के संजय भाटिया, कांग्रेस के कर्मवीर सिंह बौद्ध व निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के नाम शामिल हैं। तीनों ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी देनदारी शून्य दर्शाई है। निर्वाचन आयोग के नियमों के तहत उम्मीदवारों को कई विभागों से नो ड्यूज की जानकारी देनी होती है। शपथ-पत्रों के अनुसार, इन पर सरकारी आवास का किराया, बिजली, पानी व टेलीफोन बिल, सरकारी परिवहन शुल्क, आयकर और जीएसटी, नगर निगम या संपत्ति कर बकाया नहीं है।

अकाउंटेंट की याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने कहा-न्याय प्रक्रिया को कमजोर करने की अनुमति नहीं

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने करोड़ों रुपए के आईसीडीपी घोटाले में नामजद अकाउंटेंट की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस सुमित गोयल ने कहा कि व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा महत्वपूर्ण है, लेकिन न्याय प्रक्रिया को कमजोर या प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ता ने जनवरी 2026 में पहली जमानत याचिका खारिज होने के बाद कोई ठोस बदलाव नहीं दिखाया। मामला अम्बाला के एसीबी थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। आरोप है कि ठेकेदार ने आईसीडीपी कैथल के तत्कालीन महाप्रबंधक को रिश्वत देकर लगभग 1.89 करोड़ रुपए का काम बिना टेंडर आवंटित कराया। जांच में बिलों में गुणवत्ता बताई गई, जबकि वास्तविक सामग्री निम्न स्तर की पाई गई। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसकी भूमिका केवल अकाउंट्स तक सीमित थी और 50 हजार रुपए ही उसके खाते में आए। हाईकोर्ट ने कहा कि बार-बार अग्रिम जमानत की कोशिशों में कोई ठोस नया आधार नहीं दिखा और कानूनी प्रक्रिया से बचने का प्रयास पाया गया। आरोपों की गंभीरता और याचिकाकर्ता के आचरण को देखते हुए उसे अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। आरोपी सुरेश कुमार उस समय आईसीडीपी कैथल में अकाउंटेंट और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन टीम का सदस्य था। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि उसने साजिश को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाते हुए कोटेशन, वाउचर और बिल जैसे वित्तीय दस्तावेजों को प्रोसेस और साइन किया। यह भी आरोप है कि ठेकेदार की कंपनियों से अवैध धन सीधे उसके बैंक खाते में ट्रांसफर किया गया।

आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते दौर में हर माता-पिता का सबसे बड़ा और शायद इकलौता महत्वपूर्ण सपना यही होता है कि उनका बच्चा एक बेहतरीन स्कूल में शिक्षा प्राप्त करे और जीवन की हर कसौटी पर खरा उतरे। इसी बुनियादी सोच और चिंता के कारण हमारे समाज के अधिकतर अभिभावक अपने बच्चों का एडमिशन किसी नामी-गिरामी प्राइवेट स्कूल में करवाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। कई बार तो माता-पिता अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर भी भारी-भरकम फीस चुकाने को तैयार हो जाते हैं, सिर्फ इस उम्मीद में कि उनके बच्चे का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत हमेशा वह नहीं होती जो विज्ञापनों या स्कूल के चमकते हुए ब्रोशर में दिखाई जाती है। अक्सर यह देखा गया है कि स्कूल की विशाल और वातानुकूलित बिल्डिंग, कांच की दीवारों वाली इमारतें, स्मार्ट क्लासरूम के वादे और अंग्रेजी माध्यम के भारी-भरकम नाम के प्रभाव में आकर अभिभावक बहुत जल्दी निर्णय ले लेते हैं। इस जल्दबाजी में वे शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी कुछ अत्यंत आवश्यक और बुनियादी बातों पर ध्यान देना भूल जाते हैं। राजधानी चौपाल की विशेष पड़ताल में यह बात सामने आई है कि एडमिशन के समय की गई ये छोटी-छोटी लापरवाहियां और अनदेखी भविष्य में बच्चों की पढ़ाई, उनके मानसिक स्वास्थ्य और उनके संपूर्ण करियर पर बहुत भारी पड़ सकती हैं। इसी गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए, राजधानी चौपाल की टीम ने शिक्षा जगत से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों, अनुभवी शिक्षकों, बाल मनोवैज्ञानिकों और भुक्तभोगी अभिभावकों से विस्तृत बातचीत की। इस चर्चा के आधार पर हमने यह समझने का प्रयास किया है कि आखिर बच्चों का एडमिशन किसी नए स्कूल में कराते समय किन ठोस बातों का मूल्यांकन करना सबसे ज्यादा जरूरी है, ताकि आपके बच्चे का भविष्य अंधकार में न जाए...

अगर आप भी अपने बच्चों का प्राइवेट स्कूल में एडमिशन करवा रहे हैं, तो इन सुविधाओं को जरूर देखें...

— वरना भविष्य पर पड़ सकता है असर

केवल नाम, ब्रांड और बाहरी दिखावे के भ्रम में न उलझें

आज के दौर में शिक्षा एक सेवा से अधिक एक व्यवसाय का रूप लेती जा रही है, जहां कई प्राइवेट स्कूल बड़े-बड़े होर्डिंग्स, अखबारों के पूरे पन्ने के विज्ञापन और अपनी आकर्षक इमारतों के दम पर अभिभावकों को अपनी ओर खींचने का प्रयास करते हैं। राजधानी चौपाल का स्पष्ट मानना है कि केवल किसी संस्था का बड़ा नाम और उसका बाहरी दिखावा कभी भी उसकी शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता को तय नहीं कर सकता। असली गुणवत्ता उन वातानुकूलित कमरों में नहीं, बल्कि उस स्कूल के योग्य शिक्षकों, वहां के शैक्षणिक माहौल और बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति स्कूल प्रबंधन की प्रतिबद्धता में बसती है। अक्सर यह कड़वा सच सामने आता है कि कुछ चर्चित स्कूलों में फीस के नाम पर अभिभावकों से लाखों रुपये तो वसूल लिए जाते हैं, लेकिन जब बात पढ़ाई के स्तर और बच्चों के बौद्धिक विकास की आती है, तो नतीजे बेहद निराशाजनक होते हैं। वहां बच्चों को केवल रटने की मशीन बनाया जाता है। ऐसे में माता-पिता का यह प्राथमिक कर्तव्य बनता है कि वे किसी भी स्कूल के आकर्षक विज्ञापनों के झांसे में आने से पहले, उस स्कूल के पुराने शैक्षणिक रिकॉर्ड, बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों और वहां से पास आउट हुए छात्रों के वर्तमान स्तर के बारे में गहराई से छानबीन करें। आपको यह देखना होगा कि स्कूल बच्चों की रचनात्मकता को कितना बढ़ावा देता है।

योग्य, अनुभवी और संवेदनशील शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है

किसी भी शिक्षण संस्थान की असली ताकत उसकी शानदार इमारतें नहीं, बल्कि उसके शिक्षक होते हैं। अगर किसी स्कूल में उच्च शिक्षित, योग्य और पर्याप्त अनुभवी शिक्षक नहीं होंगे, तो चाहे कितनी भी आधुनिक तकनीक का उपयोग कर लिया जाए, बच्चों की शिक्षा नकारात्मक रूप से प्रभावित होगी ही। राजधानी चौपाल के विशेषज्ञों का मानना है कि अभिभावकों को एडमिशन फॉर्म भरने से पहले यह जरूर पता करना चाहिए कि स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों का अनुभव कितना है, उनका शैक्षणिक बैकग्राउंड क्या है, क्या वे आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से परिचित हैं, और सबसे महत्वपूर्ण बात, क्या वे बच्चों के साथ एक सकारात्मक और आत्मीय संवाद स्थापित कर पाते हैं या नहीं। अक्सर कई प्राइवेट स्कूल मुनाफा कमाने के चक्कर में कम वेतन वाले अनुभवहीन शिक्षकों को रख लेते हैं, जिसका सीधा नुकसान बच्चों की नींव पर पड़ता है। एक बेहतरीन शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकें पढ़कर सिलेबस पूरा नहीं करवाता, बल्कि वह बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उनके संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करता है। शिक्षकों का काम बच्चों में जिज्ञासा पैदा करना है, न कि केवल उन्हें परीक्षा पास करने के गुर सिखाना।

बच्चों की शारीरिक और मानसिक सुरक्षा व्यवस्था पर रहे विशेष ध्यान

वर्तमान सामाजिक परिवेश और आए दिन स्कूलों से सामने आने वाली अप्रिय घटनाओं को देखते हुए, बच्चों की सुरक्षा आज के समय में हर अभिभावक की सबसे बड़ी और पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसलिए, किसी भी स्कूल में एडमिशन लेने से पहले वहां की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तंत्र को अपनी आंखों से देखना और समझना बेहद जरूरी है। स्कूल परिसर के हर कोने, कॉरीडोर और क्लासरूम में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में होने चाहिए। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर प्रशिक्षित और मुस्तैद सुरक्षा गार्ड, बच्चों को घर से लाने-ले जाने वाली सुरक्षित परिवहन व्यवस्था (बसों में जीपीएस और महिला अटेंडेंट) और परिसर के भीतर बच्चों की निगरानी की एक पारदर्शी और मजबूत व्यवस्था होनी ही चाहिए। राजधानी चौपाल यह भी स्पष्ट करना चाहता है कि सुरक्षा केवल शारीरिक नहीं होती, बल्कि मानसिक सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। स्कूल का वातावरण ऐसा होना चाहिए जहां कोई भी बच्चा रैगिंग, बदसलूकी, शारीरिक दंड या किसी भी प्रकार के मानसिक उत्पीड़न का शिकार न हो। स्कूल प्रबंधन की लापरवाही की तनिक भी संभावना वहां नहीं होनी चाहिए, और बच्चों को अपनी बात बेझिझक कहने का सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए।

खेल-कूद और शारीरिक गतिवर्धियों के लिए पर्याप्त ढांचा

आज की शिक्षा प्रणाली में केवल किताबों में सिर गड़ाए रखना ही बच्चों के विकास के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इस पुरानी कहावत की प्रासंगिकता आज के डिजिटल युग में और भी बढ़ गई है। खेल-कूद और विभिन्न शारीरिक गतिविधियां बच्चों के संपूर्ण विकास का एक अभिन्न और अनिवार्य हिस्सा हैं।

राजधानी चौपाल की टीम अभिभावकों को यह सलाह देती है कि एक अच्छा स्कूल वही है जहां बच्चों को खेलने के लिए एक बड़ा और खुला मैदान मिले, विभिन्न इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए आधुनिक खेल सामग्री उपलब्ध हो, और सबसे बड़ी बात, बच्चों को सही तकनीक सिखाने के लिए योग्य और प्रमाणित खेल प्रशिक्षक (पीटीआई) मौजूद हों। नियमित खेल गतिविधियों से न केवल बच्चों का शारीरिक विकास होता है, बल्कि उनमें टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता, हार को स्वीकार करने का धैर्य और मानसिक मजबूती भी विकसित होती है। यदि कोई स्कूल खेल के मैदान को गैर-जरूरी मानकर केवल क्लासरूम की पढ़ाई पर जोर दे रहा है, तो वह आपके बच्चे का एकांगी विकास ही कर पाएगा।

आधुनिक लाइब्रेरी और सुसज्जित प्रयोगशालाओं की उपलब्धता

किताबी ज्ञान को जब तक व्यवहारिक रूप से न परखा जाए, तब तक वह स्थायी नहीं होता। अच्छे और मानक स्कूलों में एक समृद्ध लाइब्रेरी, अत्याधुनिक साइंस लैब, और अपडेटेड कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाएं मात्र दिखावे के लिए नहीं, बल्कि बच्चों के नियमित उपयोग के लिए होनी चाहिए। राजधानी चौपाल के अनुसार, एक अच्छी लाइब्रेरी बच्चों के भीतर नई दुनिया को जानने की उत्सुकता और स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत (रीडिंग हैबिट) विकसित करती है। साहित्य, इतिहास, और विज्ञान की अनगिनत किताबें बच्चों के नजरिए को व्यापक बनाती हैं। वहीं दूसरी ओर, विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं उन्हें सिद्धांतों को प्रयोगों के माध्यम से सिद्ध करने और स्वयं करके सीखने (लर्निंग बाय डूइंग) का अनमोल अवसर प्रदान करती हैं। आज के तकनीकी युग में रोबोटिक्स और कोडिंग जैसी सुविधाएं भी महत्वपूर्ण हो गई हैं। अगर किसी स्कूल में ये बुनियादी सुविधाएं केवल नाममात्र की हैं या बच्चों को वहां जाने की अनुमति ही नहीं मिलती, तो समझ लीजिए कि उस स्कूल में आपके बच्चे की शिक्षा अधूरी और केवल रटंत विद्या तक सीमित रह जाएगी।

स्कूल का अनुशासन और प्रेरणादायक सकारात्मक माहौल

किसी भी स्कूल का आंतरिक वातावरण और वहां का अनुशासन बच्चों के कोमल मन और उनके उभरते व्यक्तित्व पर बहुत गहरा और दूरगामी प्रभाव डालता है। अनुशासन का अर्थ बच्चों को डरा-धमका कर शांत रखना नहीं होता है।

राजधानी चौपाल का स्पष्ट मानना है कि बेहतरीन स्कूलों में अनुशासन थोपा नहीं जाता, बल्कि वह एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल के बीच से खुद ब खुद जन्म लेता है। वहां बच्चों को गलतियां करने और उनसे सीखने की आजादी होती है। शिक्षकों और छात्रों के बीच का संबंध भय पर नहीं, बल्कि आपसी सम्मान पर आधारित होना चाहिए। ऐसे आदर्श स्कूल बच्चों को केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना ही नहीं सिखाते, बल्कि उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील, जिम्मेदार, नैतिकवान और एक उत्कृष्ट नागरिक बनने की जीवन भर की प्रेरणा भी देते हैं।

एडमिशन से पहले स्कूल में कुछ समय बिताकर वहां के माहौल, बच्चों के चेहरों की रौनक और स्टाफ के व्यवहार को बारीकी से महसूस करने का प्रयास करें।

प्रबंधन और अभिभावकों के बीच निरंतर और पारदर्शी संवाद

शिक्षा एक त्रिकोणीय प्रक्रिया है, जिसमें छात्र, शिक्षक और अभिभावक तीनों की समान और सक्रिय भागीदारी होती है। एक अच्छा स्कूल हमेशा वह होता है जो अभिभावकों के साथ एक निरंतर, सहज और पारदर्शी संवाद बनाए रखने में विश्वास रखता है। पीटीएम (पेरेंट-टीचर मीटिंग) केवल एक औपचारिकता या बच्चों की शिकायतें करने का मंच नहीं होना चाहिए। इसके माध्यम से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उनके व्यवहार में आ रहे बदलावों और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं के बारे में सकारात्मक चर्चा की जानी चाहिए। इसके अलावा, अच्छे स्कूल अभिभावकों की राय, उनके सुझावों और उनकी चिंताओं को भी पूरी गंभीरता से सुनते हैं। राजधानी चौपाल की पड़ताल बताती है कि अगर कोई स्कूल प्रबंधन अड़ियल रवैया अपनाता है और अभिभावकों से सीधा संवाद करने से कतराता है, तो ऐसे माहौल में बच्चों की वास्तविक समस्याएं समय रहते सामने नहीं आ पातीं, जो बाद में किसी बड़े तनाव का रूप ले सकती हैं।

केवल अंग्रेजी माध्यम की अंधी दौड़ में शामिल न हों

हमारे समाज में पिछले कुछ दशकों से यह एक बहुत बड़ी और भ्रामक धारणा बन गई है कि अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने वाला बच्चा ही बुद्धिमान होता है और उसी का भविष्य उज्ज्वल है। राजधानी चौपाल इस मानसिकता को सिरे से खारिज करता है। कई अभिभावक बिना सोचे-समझे केवल 'इंग्लिश मीडियम' का बोर्ड देखकर अपने बच्चों को ऐसे स्कूलों में धकेल देते हैं जहां शिक्षक खुद भी सही भाषा का प्रयोग नहीं कर पाते। सच्चाई यह है कि किसी विदेशी भाषा को रट लेने से ज्यादा महत्वपूर्ण बच्चे के संज्ञानात्मक विकास और विषय को गहराई से समझने की क्षमता होती है। शिक्षा की गुणवत्ता सर्वोपरि है, भाषा केवल एक माध्यम है। यदि किसी स्कूल में शिक्षण का स्तर उत्कृष्ट है, शिक्षक अनुभवी हैं और पढ़ाई का माहौल रचनात्मक है, तो बच्चा अपनी मातृभाषा या किसी भी माध्यम में पढ़कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। बुनियादी अवधारणाओं (कॉन्सेप्ट्स) का स्पष्ट होना रटी-रटाई अंग्रेजी बोलने से कहीं अधिक मूल्यवान है।

फीस संरचना की वास्तविकता और आर्थिक पारदर्शिता

वर्तमान समय में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस और हर साल होने वाली अप्रत्याशित बढ़ोतरी अभिभावकों के लिए एक बहुत बड़ा और ज्वलंत मुद्दा बन चुकी है। राजधानी चौपाल ने अपनी रिपोर्टिंग में पाया है कि कई स्कूल शुरुआत में तो कम फीस का लालच देकर एडमिशन ले लेते हैं, लेकिन बाद में एनुअल चार्ज, डेवलपमेंट फंड, बिल्डिंग फंड, कंप्यूटर फीस और न जाने किन-किन अघोषित शुल्कों के नाम पर अभिभावकों पर भारी आर्थिक बोझ डाल देते हैं। इसके अतिरिक्त, एक ही विशेष दुकान से महंगी किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव भी एक तरह का खुला शोषण है। इसलिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि आप एडमिशन फॉर्म भरने से पहले स्कूल के प्रबंधन से फीस की पूरी संरचना (फीस स्ट्रक्चर) के बारे में लिखित और स्पष्ट जानकारी मांगें। आपको यह देखना होगा कि स्कूल की नीतियों में फीस को लेकर कितनी पारदर्शिता है और क्या वे शिक्षा के नाम पर केवल व्यापार तो नहीं कर रहे। आर्थिक तनाव आपके घर के माहौल को बिगाड़ सकता है, जिसका सीधा असर बच्चे की मानसिक शांति पर पड़ेगा।

जल्दबाजी और दिखावे में आकर कभी न लें भविष्य का फैसला

एडमिशन का समय आते ही माता-पिता अक्सर एक अजीब सी बेचैनी और दबाव महसूस करने लगते हैं कि कहीं उनके बच्चे का साल न बर्बाद हो जाए या कहीं सीटें फुल न हो जाएं। इसी जल्दबाजी और पैनिक में वे अक्सर गलत स्कूल का चुनाव कर बैठते हैं। राजधानी चौपाल आपको यह सख्त हिदायत देता है कि यह फैसला सीधे तौर पर आपके बच्चे के आने वाले संपूर्ण जीवन और करियर से जुड़ा है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न दिखाएं। एडमिशन करवाने से पहले पूरी तरह से आश्वस्त हो लें। स्कूल का व्यक्तिगत रूप से दौरा करें, वहां के प्रिंसिपाल और शिक्षकों से आमने-सामने बैठकर विस्तार से बातचीत करें। सबसे महत्वपूर्ण बात, उस स्कूल में पहले से पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों से मिलें और स्कूल की वास्तविक स्थिति के बारे में उनकी निष्पक्ष राय जानें। सभी पहलुओं को तौलने और पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद ही अंतिम निर्णय लें।

निष्कर्ष : शिक्षकों की ईमानदारी और शैक्षणिक माहौल को एक आलोचक की तरह जांचें और परखें

अंत में राजधानी चौपाल की यह विस्तृत रिपोर्ट इसी निष्कर्ष पर पहुंचती है कि किसी भी बच्चे का भविष्य केवल स्कूल की महंगी फीस, उसकी एसी बसों या उसकी ऊंची और शानदार इमारतों से तय नहीं होता है। असली फर्क उस मूल्यवान शिक्षा, उस सकारात्मक संस्कार और उस रचनात्मक माहौल से पड़ता है जो एक बच्चा अपने स्कूल के प्रांगण में हर दिन जीता और सीखता है। इसलिए, यदि आप भी अपने जिगर के टुकड़े का एडमिशन किसी प्राइवेट स्कूल में करवाने जा रहे हैं, तो केवल ब्रांड के नाम और विज्ञापनों के झूठे दिखावे पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। स्कूल की वास्तविक सुविधाओं, शिक्षकों की ईमानदारी और गुणवत्ता, सुरक्षा के कड़े इंतजामों और वहां के शैक्षणिक माहौल को एक आलोचक की तरह जांचें और परखें। हमेशा याद रखिए कि आपके द्वारा आज लिया गया एक सही और सुविचारित निर्णय आपके बच्चे के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकता है। राजधानी चौपाल की अपने सभी पाठकों और अभिभावकों से यही भावपूर्ण अपील है कि वे शिक्षा के प्रति जागरूक बनें, अपने अधिकारों को समझें, सही जानकारी जुटाएं और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित, सुंदर और मजबूत बनाने की दिशा में पूरी तरह से सोच-समझकर ही अपना अगला कदम उठाएं।

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता और उनकी अनदेखी का सच

प्राइवेट स्कूलों की इस अंधी दौड़ के बीच हम अक्सर अपने सरकारी स्कूलों को पूरी तरह से नकार देते हैं। यह सच है कि कुछ दशकों पहले तक सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब थी, लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। राजधानी चौपाल के अनुसार, आज देश के कई हिस्सों में सरकारी स्कूलों को 'मॉडल स्कूल' या 'स्मार्ट स्कूल' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां न केवल विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, बल्कि वहां पढ़ाने वाले शिक्षक भी अत्यंत उच्च योग्यता प्राप्त (टीईटी, नेट और पीएचडी पास) और कड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करके आए होते हैं। समाज में एक मिथक बन गया है कि जो चीज मुफ्त या सस्ती है, वह अच्छी नहीं हो सकती। इसी झूठे सामाजिक रुतबे के कारण लोग सरकारी स्कूलों की अनदेखी कर प्राइवेट स्कूलों की ओर भागते हैं। जरूरत इस बात की है कि समाज और अभिभावक सरकारी स्कूलों की वास्तविक और बदलती स्थिति का भी खुले दिमाग से मूल्यांकन करें। यदि समाज का प्रबुद्ध वर्ग सरकारी स्कूलों से जुड़ेगा, तो वहां की व्यवस्था और भी अधिक मजबूत और जवाबदेह बनेगी।

बच्चे की स्वाभाविक रुचि और उसकी व्यक्तिगत क्षमता का सम्मान करें

माता-पिता की एक बहुत बड़ी गलती यह होती है कि वे अपने अधूरे सपनों का बोझ अपने छोटे से बच्चे के कंधों पर डाल देते हैं। इस दुनिया में हर बच्चा अपने आप में अनूठा है और उसकी अपनी अलग क्षमताएं हैं। ऐसा जरूरी नहीं कि यदि एक बच्चा गणित में मेधावी है, तो दूसरा भी हो। किसी बच्चे की स्वाभाविक रुचि साहित्य में हो सकती है, तो किसी की खेल के मैदान में, कोई कला और चित्रकारी में माहिर हो सकता है, तो कोई तकनीक और कंप्यूटर में। राजधानी चौपाल हर माता-पिता से यह अपील करता है कि वे सबसे पहले अपने बच्चे की प्रकृति, उसकी रुचि और उसके मनोविज्ञान को समझने का प्रयास करें। 'शर्मा जी के बेटे' या पड़ोसियों के बच्चों से अपने बच्चे की तुलना करना एक बहुत बड़ा अपराध है। बच्चे की क्षमता के अनुसार ही उसके लिए सही स्कूल और सही बोर्ड (सीबीएसई, आईसीएसई या स्टेट बोर्ड) का चुनाव करें। जो स्कूल आपके बच्चे की स्वाभाविक प्रतिभा को निखारने का अवसर दे, वही उसके लिए सबसे बेहतरीन स्कूल है।

लेखक : राहुल हिंदुस्तानी

अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध : जंग से बदहाल जिंदगी

दर्दनाक मंजर...

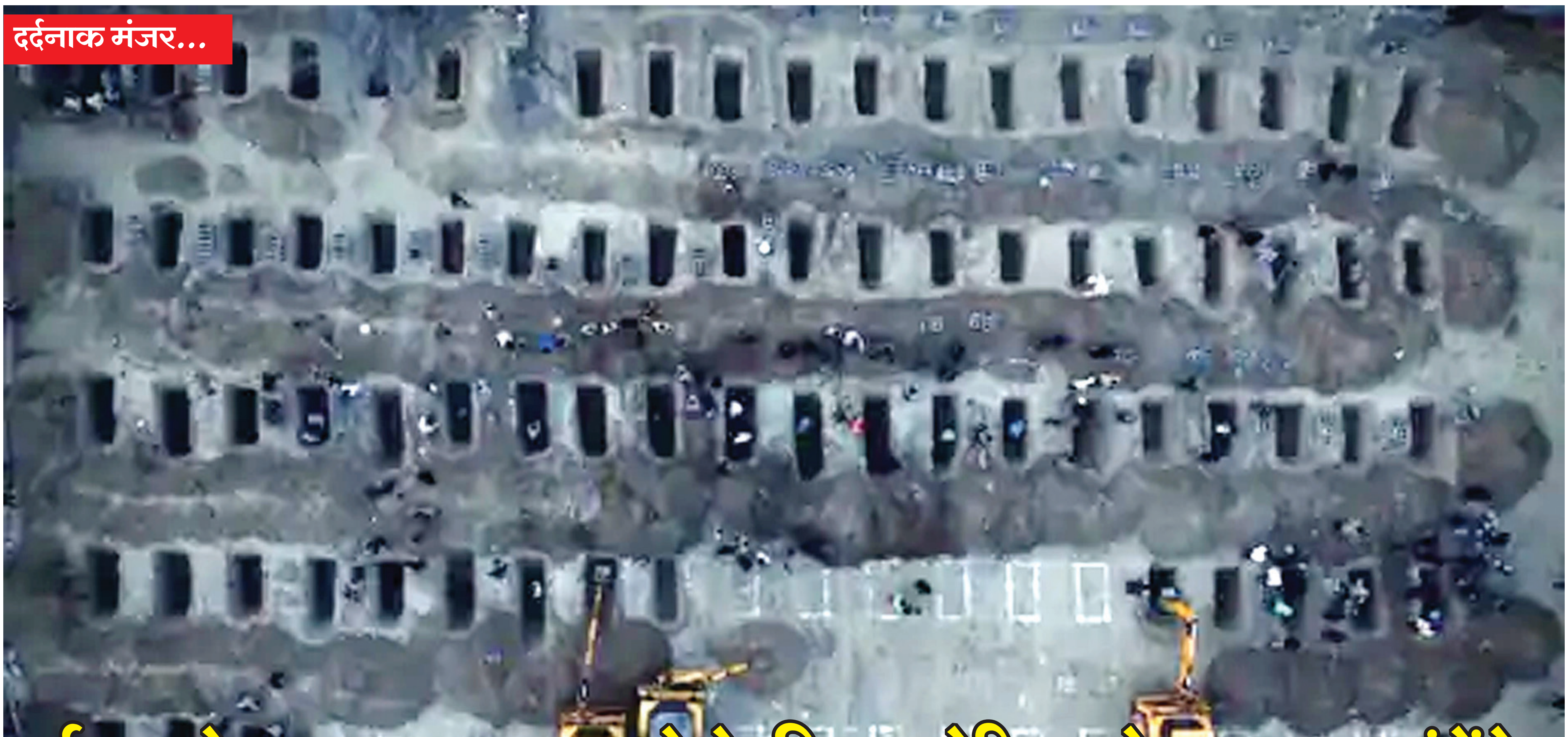

ईरान बोला- स्कूल पर हमले के लिए अमेरिका से मुआवजा मांगेंगे

तेहरान/मॉस्को| ईरान ने 28 फरवरी को एक स्कूल पर हुए आत्मघाती हमले के लिए अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहराते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुआवजे की मांग करने का निर्णय लिया है। मॉस्को में ईरानी राजदूत काजेम जलीली ने स्पष्ट किया कि ईरान इस नरसंहार के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगा। इस दर्दनाक हमले में 160 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें मासूम स्कूली बच्चों की संख्या सर्वाधिक थी। ईरान का आरोप है कि इस हमले की साजिश और समर्थन में पश्चिमी ताकतों का हाथ है। इस कदम से मध्य-पूर्व में कूटनीतिक तनाव और गहराने की आशंका है।

छोटे बच्चे के साथ शरण लेती महिला

इजराइल के तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने पर अपने छोटे बच्चे के साथ शरण लेती महिला

जंग के बीच बचपन

सीरिया के कमिशली में खुले मैदान में गिरी एक मिसाइल पर एक लड़का चढ़ने की कोशिश करता हुआ।

इमारतें तबाह...

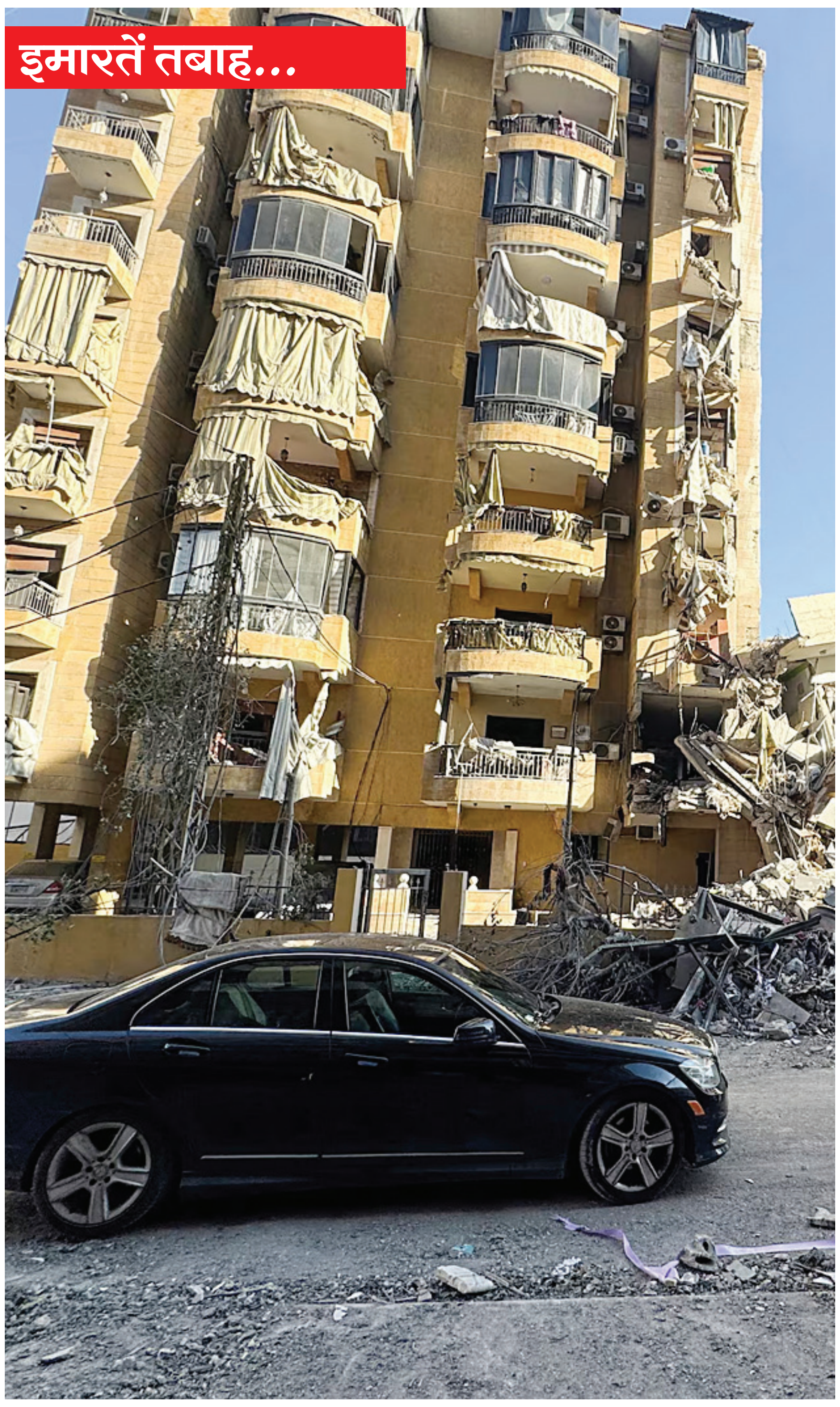

लेबनान में इजराइली हमले के बाद तबाह इमारतें। यहां पिछले 2 हफ्तों में 40 हजार से ज्यादा घर मलबे में तब्दील हो गए।

सहमे बच्चे...

12 मार्च को बेरूत में इजराइली हमले के बाद धुआं उठता नजर आया। हमलों के कारण सड़क पर सहमी खड़ी दो बच्चियां।

कब्रिस्तान का हाल...

ईरान के बेहेश्त-ए जहरा कब्रिस्तान में हाल ही में हुए अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों में मारे गए एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में महिलाएं शामिल हुईं।

अरब होटल खाली नजर आए...

दुबई में बुर्ज अल अरब और जुमेराह मार्सा अल अरब होटलों के आगे की बीच शुक्रवार को खाली नजर आई।

इन दिनों में जोड़ों से जुड़ी परेशानियां बढ़ जाती हैं। खासकर गठिया, हड्डियों की कमजोरी व रीढ़ के दर्द से जूझ रहे लोगों में अचानक तेज दर्द व सूजन की तकलीफ आम हो जाती है। इसमें होम्योपैथी दवा भी बेहतरीन काम करती है।

जाड़े में जोड़ों को बचाइए...

दुनियाभर के शोधों के अनुसार सर्दियों में 60-70% लोगों में जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। खासकर, गठिया, कमर-दर्द, घुटनों के दर्द और सर्वाइकल मरीजों में फ्लेयर-अप्स (दर्द, सूजन आदि का तेजी से भड़कना) के मामले 20-30% अधिक रिपोर्ट होते हैं। सुबह के समय दर्द की यह तकलीफ और अधिक होती है। कुछ लोगों में दर्द लगातार रहता है या रुक-रुक कर हो सकता है। भारत में अस्पतालों और क्लीनिकों के आंकड़ों में जोड़ों के दर्द से जुड़ी ओपीडी 25-30% तक बढ़ जाती हैं। खासकर, दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में ठंड के साथ प्रदूषण भी अधिक रहता है, जो शरीर में दर्द व सूजन बढ़ा सकता है।

दर्द बढ़ने के मुख्य कारण...

- **रक्त प्रवाह कम होना :** ठंड में शरीर गर्मी बचाने के लिए खून को अंदरूनी अंगों की ओर भेजता है। हाथ-पैर और जोड़ों तक खून कम पहुंचता है, जिससे वे ठंडे और कठोर हो जाते हैं। कम तापमान में नसें संकुचित हो जाने से जोड़ों तक ऑक्सीजन और पोषण की पूर्ति कम होती है, जिससे दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।
- **जोड़ों की चिकनाई कम होना:** ठंड में जोड़ों में मौजूद लुब्रिकेशन द्रव सीनोवियल फ्लुइड गाढ़ा हो जाता है, जिससे जोड़ों की चिकनाई कम होती है। ऐसे में हरकत करते समय जोड़ आपस में टकराने लगते हैं, जिससे दर्द होता है।
- **वायुदाब में कमी:** सर्दियों में वायुदाब घटने से शरीर के ऊतकों में हल्की सूजन बढ़ सकती है, जो जोड़ के आसपास दबाव बढ़ाती है, जिससे दर्द महसूस होता है।
- **शारीरिक शिथिलता:** ठंड में शारीरिक सक्रियता कम होने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है। जोड़ों तक पोषक तत्व और ऑक्सीजन पहुंचने में कमी आती है। इससे मांसपेशियों व जोड़ों में कमजोरी आ जाती है।
- **ठंडी हवा का संपर्क:** ठंड में ज्यादा देर बाहर रहने पर जोड़ों की सतह तेजी से ठंडी हो जाती है। ठंडा हिस्सा ज्यादा जकड़ता है और चलने-फिरने पर दर्द बढ़ जाता है।
- **विटामिन-डी की कमी:** धूप कम मिलने से विटामिन डी कम हो जाता है, जिससे हड्डियां व जोड़ कमजोर हो जाते हैं, दर्द बढ़ता है।
- **खानपान में बदलाव:** सर्दी में कई लोग चाय-कॉफी, मीठा, तला भोजन या ज्यादा नमक लेते हैं। ये सभी चीजें शरीर में सूजन बढ़ाती हैं और जोड़ का दर्द तेज हो सकता है।
- **पुरानी बीमारियों का प्रभाव :** जो लोग पहले से थायरॉइड, हाइपरयूरिसीमिया, डायबिटीज, मोटापा या खराब रक्त संचार से जूझ रहे हैं, उनके ऊतकों का तापमान जल्दी गिर जाता है।

संतुलित खानपान व सक्रिय रहना जरूरी

- **शरीर गर्म रखें:** जुराब, टोपी और गर्म जैकेट पहनें। गर्म पानी से नहाएं। इससे प्रभावित हिस्सों तक खून पहुंचने से सूजन और दर्द में आराम मिलता है। मांसपेशियों का कसाव दूर होता है।
- **सक्रिय रहें:** घर में व्यायाम, योग व हल्की स्ट्रेचिंग करें। बहुत भारी व्यायाम न करें। हल्के व्यायाम रोज करें।
- **खानपान पर ध्यान दें:** सर्दी में गर्म चीजें जैसे हल्दी दूध, हल्दी पानी, अदरक, मेथी का नियमित सेवन करें। दालचीनी व अश्वगंधा आदि औषधियां विशेषज्ञ से पूछ कर ही लें। हल्का भोजन लें। पर्याप्त पानी पिएं। पानी की कमी अकड़न और दर्द बढ़ाती है।
- **वजन काबू रखें :** वजन का थोड़ा भी कम होना जोड़ों पर पड़ने वाले दबाव को कम कर 25 से 30 प्रतिशत तक दर्द कम कर देता है।
- **सप्लीमेंट लें:** धूप कम मिलने से शरीर में विटामिन डी, विटामिन बी-12 व कैल्शियम कम हो सकता है। इस बारे में डॉक्टर से पूछें।

प्रदूषण और उदासी से बचें : प्रदूषित वायु में अधिक रहना जोड़ों की तकलीफ से जूझ रहे लोगों की तकलीफ बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब खराब हवा और ठंडा मौसम एक साथ आते हैं, तो जोड़ों की सूजन और दर्द तेजी से बढ़ता है। यूरोपियन मेडिकल जर्नल में छपे अध्ययन के अनुसार, लंबे समय तक पीएम 2.5 जैसे बारीक प्रदूषण कणों के संपर्क में रहने से गठिया का जोखिम लगभग 12-18% तक बढ़ जाता है। दिन छोटे होने से मूड हार्मोन कम एक्टिव होते हैं, जिससे तनाव बढ़ सकता है। कई शोधों के अनुसार तनाव और उदासी की अधिकता, शरीर में इंफ्लेमेशन और दर्द बढ़ा सकती है।

किन जोड़ों में ज्यादा दर्द?

यों तो शरीर में सैकड़ों जोड़ हैं, लेकिन दर्द कुछ खास जगहों पर ज्यादा होता है। इसे तीन बड़ी श्रेणियों में समझ सकते हैं...

1. वजन सहने वाले जोड़ : ये वे जोड़ हैं, जिन पर हमारे शरीर का ज्यादा भार पड़ता है, जैसे घुटने और कूल्हे। इनमें दर्द बहुत आम है, क्योंकि उम्र बढ़ने, कार्टिलेज घिसने या ठंड में मांसपेशियों में कसाव आने से इन पर सीधा असर पड़ता है।

2. लचीलापन देने वाले जोड़ : जैसे कंधा, गर्दन, कमर और रीढ़ के आसपास के जोड़। सर्दियों में ठंडी हवा और गलत बैठने-उठने की आदतों से इन हिस्सों की मांसपेशियां जल्दी अकड़ जाती हैं, जिससे दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

3. छोटे और नाजुक जोड़ : उंगलियां, कलाई, पैर की उंगलियां और कोहनी के जोड़ों को इसमें शामिल किया जाता है। रोज के छोटे-छोटे काम इन जोड़ों की मदद से किए जाते हैं। ठंड में इनमें हल्की सूजन, जकड़न व दर्द होने लगता है।

दर्द प्रबंधन के कुछ तरीके

- **प्रोलोथेरेपी:** इसके तहत बहुत हल्का इंजेक्शन लिगामेंट या टेंडन के पास लगाते हैं। इससे पुरानी चोट या ढीले जोड़ों में राहत मिलती है। सर्दियों में होने वाला खिंचाव कम होता है।
- **पीआरपी थेरेपी:** इसमें आपके ही खून का प्लाज्मा प्रभावित जोड़ में डालकर ऊतकों की मरम्मत करते हैं।
- **होम्योपैथी:** इसके इस प्रकार की समस्याओं में होम्योपैथी पूर्ण व स्थाई आराम देती है। ज्यादातर चिकित्सक होम्योपैथी में अब Doctor Joint + BC 19 रोगियों को सेवन करवाते हैं। जिससे जोड़ों के दर्द की यह समस्या पूर्णतः ठीक हो जाती है। यह दवा साधारणतः तीन माह तक सेवन की सलाह दी जाती है।
- **ओजोन थेरेपी:** कुछ देशों में ओजोन थेरेपी चलन में है। इसमें हल्की मात्रा में ओजोन गैस जोड़ के पास दी जाती है, ताकि सूजन कम हो व टिश्यू जल्दी ठीक हों।
- **हाई-इंटेंसिटी लेजर थेरेपी:** यह थेरेपी गहराई तक असर करती है, मांसपेशियों व नसों को आराम देती है।

- **हाइड्रोथेरेपी:** इसमें हल्के गर्म पानी की जेट धारा जोड़ पर दबाव डालते हुए प्रभावित ऊतकों को राहत देती है।
- **फिजियोथेरेपी:** नई तकनीक अल्ट्रासाउंड थेरेपी के तहत दर्द वाले हिस्से में हल्की ध्वनि तरंगें भेजकर गहरे ऊतकों में गर्माहट पैदा की जाती है। बड़े व छोटे जोड़ों की जरूरत के अनुसार टेन्स, शॉर्ट वेव डायथर्मी और वैक्स थेरेपी से भी आराम मिलता है।
- **एक्यूप्रेशर व सूजोक:** इनके तहत शरीर के विशिष्ट हिस्सों व बिंदुओं पर उंगलियों, अंगूठों या उपकरणों से दबाव डालते हैं। ये थेरेपी जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, सायटिका, मांसपेशियों की जकड़न में आराम देती है।
- **आयुर्वेदिक तरीके:** इनमें जानू बस्ती (घुटने पर गर्म तेल से स्निग्धता), कटि बस्ती, गर्म हर्बल पोटली और अभ्यंग मालिश से ठंड में जकड़े जोड़ और नसों को आराम देते हैं। नस्य थेरेपी में नाक में औषधि डालते हैं, जिससे गर्दन, कंधे व सिर दर्द में आराम मिलता है।

इसके अलावा कपिंग थेरेपी, हीटिंग पैड, इंफ्रारेड लैंप, हीट थेरेपी बेल्ट व जॉइंट सपोर्टर भी स्थाई राहत देते हैं।

क्या सेलेनियम है 'एंटी-एजिंग' का असली राज? बुढ़ापे की रफ्तार थामने वाले इस जादुई मिनरल...

हर इंसान की एक बुनियादी चाहत होती है—सदा जवान और ऊर्जावान दिखना। चमकदार त्वचा, घने काले बाल और बीमारियों से मुक्त शरीर भला किसे पसंद नहीं? लेकिन आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर को वक्त से पहले बूढ़ा बना रहा है।

अक्सर हम विटामिन-सी, डी और कैल्शियम के पीछे भागते हैं, लेकिन एक ऐसा सूक्ष्म तत्व है जिसे विज्ञान 'एंटी-एजिंग' का उस्ताद मानता है, और वह है—सेलेनियम। राजधानी चौपाल की इस विस्तृत रिपोर्ट में हम विशेषज्ञों के हवाले से यह समझने की कोशिश करेंगे कि आखिर क्यों यह छोटा सा मिनरल आपकी उम्र की घड़ी को धीमा कर सकता है और आपके शरीर के भीतर एक 'अदृश्य सुरक्षा कवच' की तरह काम करता है।

सेलेनियम क्या है? सूक्ष्म तत्व का विशाल प्रभाव

सेलेनियम एक 'ट्रेस मिनरल' है। विज्ञान की भाषा में इसका मतलब है कि हमारे शरीर को इसकी बहुत ही सूक्ष्म मात्रा में आवश्यकता होती है। लेकिन इसकी कम मात्रा को इसकी कमजोरी समझने की भूल न करें। यह शरीर की बुनियादी रासायनिक प्रक्रियाओं का हिस्सा है। सबसे चुनौतीपूर्ण बात यह है कि हमारा शरीर सेलेनियम का निर्माण स्वयं नहीं कर सकता। कैल्शियम या आयरन की तरह इसे लंबे समय तक शरीर में स्टोर भी नहीं किया जा सकता। इसलिए, इसकी दैनिक आपूर्ति केवल और केवल हमारे भोजन पर निर्भर करती है।

एंटी-एजिंग का पावरहाउस: झुर्रियों पर लगाम

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया दरअसल कोशिकाओं के ऑक्सीडेशन का परिणाम है। जैसे लोहे में जंग लगता है, वैसे ही हमारे शरीर में 'फ्री रेडिकल्स' हमारी स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। सेलेनियम एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो इन फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह त्वचा की लोच बनाए रखता है और सूरज की हानिकारक अल्ट्रा-वायलेटकिरणों से होने वाले डैमेज को कम करता है। यदि आपकी त्वचा समय से पहले ढीली पड़ रही है या चेहरे पर महीन रेखाएं दिखने लगी हैं, तो यह सेलेनियम की कमी का संकेत हो सकता है।

थायरॉइड का 'जीनियस' मैनेजर

थायरॉइड ग्रंथि हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म और एनर्जी लेवल को कंट्रोल करती है। क्या आप जानते हैं कि थायरॉइड ऊतकों में शरीर के किसी भी अन्य अंग की तुलना में सेलेनियम की सांद्रता सबसे अधिक होती है? यह मिनरल थायरॉइड हॉर्मोन (T3 और T4) के उत्पादन और उन्हें सक्रिय करने के लिए अनिवार्य है। सेलेनियम की पर्याप्त मात्रा न केवल थायरॉइड रोगों के जोखिम को कम करती है, बल्कि आपको दिन भर तरोताजा और एनर्जेटिक बनाए रखने में भी मदद करती है।

डीएनए की सुरक्षा और सेल रिपेयर

हमारा शरीर हर सेकंड लाखों नई कोशिकाएं बनाता है। इस प्रक्रिया में डीएनए की भूमिका सबसे अहम है। सेलेनियम डीएनए की क्षति को रोकने और क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत में सहायता करता है। यह गुण इसे कैंसर जैसी घातक बीमारियों से लड़ने में एक महत्वपूर्ण हथियार बनाता है। जब कोशिकाएं स्वस्थ रहती हैं और उनका विभाजन सही तरीके से होता है, तो पूरा शरीर आंतरिक रूप से युवा बना रहता है।

इम्यूनिटी: संक्रमण के खिलाफ अभेद्य दीवार

आज के दौर में मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता ही सबसे बड़ी संपत्ति है। सेलेनियम सफेद रक्त कोशिकाओं की गतिविधि को तेज करता है। यह न केवल आम सर्दी-जुकाम बल्कि वायरल संक्रमणों और पुरानी सूजन को कम करने में भी कारगर है। शरीर में कम सूजन का मतलब है—स्वस्थ हृदय और लंबी उम्र। यह हृदय की धमनियों में होने वाले ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोककर हार्ट अटैक के जोखिम को भी कम करता है।

मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त का साथी

बढ़ती उम्र के साथ अक्सर याददाश्त कमजोर होने लगती है। शोध बताते हैं कि सेलेनियम मस्तिष्क की कोशिकाओं को सुरक्षित रखता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के खतरे को कम करने में सहायक हो सकते हैं। एक शांत और तेज दिमाग भी युवावस्था की पहचान है, जिसे सेलेनियम बखूबी सपोर्ट करता है।

प्रजनन क्षमता और पुरुषों का स्वास्थ्य

पुरुषों के स्वास्थ्य के संदर्भ में सेलेनियम अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्पर्म की गुणवत्ता, गतिशीलता और सक्रियता को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है। प्रजनन स्वास्थ्य के लिए यह मिनरल जिंक के साथ मिलकर शरीर में चमत्कारिक सुधार ला सकता है।

सेलेनियम की कमी: चेतावनी के संकेत

राजधानी चौपाल की पड़ताल में सामने आया कि यदि आपके शरीर में सेलेनियम कम है, तो इसके लक्षण काफी स्पष्ट होते हैं:

- अत्यधिक थकान और मांसपेशियों में कमजोरी।
- बालों का तेजी से झड़ना या समय से पहले सफेद होना।
- नाखूनों का कमजोर होकर टूटना।
- इम्यूनिटी कम होना और बार-बार बीमार पड़ना।
- मानसिक धुंध या एकाग्रता में कमी।

प्राकृतिक खजाना: कहाँ से मिलेगा सेलेनियम?

सेलेनियम की पूर्ति के लिए आपको महंगे सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं है, बस अपनी रसोई में ये चीजें शामिल करें:

- शाकाहारियों के लिए: ब्राजील नट्स (इसका सबसे बड़ा स्रोत), साबुत अनाज, ब्राउन राइस, सूरजमुखी के बीज, मशरूम, दूध, दही और पनीर।
- मांसाहारियों के लिए: अंडे, चिकन और समुद्री मछलियां जैसे टूना और सार्डिन।
- नोट: मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर सब्जियों में सेलेनियम की मात्रा बदल सकती है।

सावधानी: अधिकता भी है हानिकारक

किसी भी चीज की अति बुरी होती है। एक वयस्क को रोजाना केवल 55 से 70 माइक्रोग्राम सेलेनियम की जरूरत होती है। यदि कोई व्यक्ति बिना डॉक्टर की सलाह के भारी मात्रा में (400 माइक्रोग्राम से अधिक) सप्लीमेंट लेता है, तो उसे 'सेलेनोसिस' हो सकता है। इसके लक्षणों में सांस से लहसुन जैसी गंध आना, बालों का गिरना और नर्वस सिस्टम की गड़बड़ी शामिल है।

जायका : पारंपरिक रबड़ी को दें 'चीकू' का नया अंदाज़

स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे मेहमान

भारतीय रसोइयों में मिठाइयों का इतिहास सदियों पुराना है। जब भी किसी खास मेहमान की खातिरदारी या त्योहार की बात आती है, तो दूध से बनी गाढ़ी, लच्छेदार रबड़ी का ख्याल सबसे पहले आता है। लेकिन समय के साथ खान-पान के शौकीनों ने पारंपरिक व्यंजनों में नए प्रयोग शुरू किए हैं। इसी कड़ी में आजकल 'चीकू रबड़ी' काफी सुर्खियां बटोर रही है। चीकू की अपनी एक सोंधी मिठास होती है, जो दूध के साथ मिलकर एक शाही अहसास कराती है। राजधानी चौपाल की 'जायका' टीम आज आपके लिए लेकर आई है इस लजीज डिश की पूरी रेसिपी और इसके स्वास्थ्य लाभ।

क्यों खास है चीकू और रबड़ी का यह मेल?

अक्सर हम रबड़ी में चीनी की भारी मात्रा का उपयोग करते हैं, जो सेहत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। लेकिन चीकू रबड़ी की सबसे बड़ी खासियत इसकी प्राकृतिक मिठास है। पका हुआ चीकू अपने आप में इतना मीठा होता है कि आपको अतिरिक्त चीनी की बहुत कम जरूरत पड़ती है। इसके अलावा, चीकू में मौजूद विटामिन-A और C त्वचा और आंखों के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं। जब इसे दूध के कैल्शियम के साथ मिलाया जाता है, तो यह स्वाद के साथ-साथ पोषण का भी एक अच्छा स्रोत बन जाती है।

तैयारी की सामग्री

इस रेसिपी को घर पर आसानी से बनाने के लिए आपको नीचे दी गई सामग्री की आवश्यकता होगी:

- **फुल क्रीम दूध:** 1 लीटर (गाढ़ेपन के लिए हमेशा फुल क्रीम का ही चुनाव करें)।
- **पके हुए चीकू:** 4 से 5 मध्यम आकार के (अच्छी तरह पके और नरम)।
- **चीनी:** 3-4 बड़े चम्मच (या अपने स्वाद के अनुसार कम-ज्यादा कर सकते हैं)।
- **इलायची पाउडर:** 1/4 छोटा चम्मच (बेहतरीन खुशबू के लिए)।
- **कटे हुए मेवे:** 2 बड़े चम्मच (बादाम, पिस्ता और काजू के बारीक टुकड़े)।
- **केसर:** 8-10 धागे (यदि उपलब्ध हो, तो इससे रंग और स्वाद दोनों निखर जाते हैं)।

बनाने की चरणबद्ध विधि

1. दूध को गाढ़ा करना : सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही लें। इसमें दूध डालकर मध्यम आंच पर उबालने के लिए रख दें। ध्यान रखें कि दूध को बीच-बीच में चलाते रहना है ताकि वह तले में चिपके नहीं। जैसे-जैसे मलाई ऊपर आती जाए, उसे कड़ाही के किनारों पर लगाते जाएं। दूध को तब तक पकाएं जब तक वह आधा या उससे थोड़ा कम न रह जाए।

2. चीकू की प्यूरी तैयार करना: जब दूध उबल रहा हो, उसी समय चीकू को छीलकर उनके बीज निकाल लें। अब आधे चीकू को मिक्सी में डालकर बिना पानी मिलाए एक स्मूद प्यूरी बना लें। बाकी बचे हुए चीकू को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि खाते समय उनका क्रंच महसूस हो।

3. मिठास और सुगंध का तड़का : दूध गाढ़ा होने पर इसमें चीनी डालकर मिलाएं। अब इसमें केसर और इलायची पाउडर डालें। इसे कुछ मिनट और पकाएं ताकि सारी खुशबू दूध में समा जाए।

4. चीकू और रबड़ी का संगम : अब आंच को बिल्कुल धीमा कर दें। तैयार चीकू की प्यूरी को धीरे-धीरे दूध में डालें और लगातार चलाते रहें। सावधानी: इसे दो-तीन मिनट से ज्यादा न पकाएं, वरना चीकू के फ्रूट एसिड की वजह से दूध फटने का डर रहता है। अंत में, किनारों पर जमी मलाई को खुरचकर वापस दूध में मिला दें।

परोसने का शाही अंदाज

गैस बंद करने के बाद चीकू रबड़ी को रूम टेम्परेचर पर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे फ्रिज में रख दें। ठंडी होने पर यह और भी गाढ़ी हो जाएगी। परोसते समय इसे मिट्टी के सकोरों या कांच के सुंदर कटोरे में निकालें और ऊपर से कटे हुए मेवों से सजाएं। यह डिश न केवल आपके परिवार को पसंद आएगी, बल्कि किटी पार्टी या गेट-टुगेदर के लिए भी एक शानदार डेजर्ट साबित होगी। इस वीकेंड आप भी इस 'चीकू रबड़ी' का आनंद लें और पारंपरिक स्वाद को एक नया मोड़ दें।

नागौर के 'गोटियां रो मेलो' में डांडिया: 1000 युवाओं ने 2.5 किलो के घुंघरू पहनकर मचाई धूम

नागौर (राजधानी चौपाल) | राजस्थान की वीर प्रसूता माटी अपनी अनूठी परंपराओं के लिए जानी जाती है, लेकिन नागौर में शीतलाष्टमी के अवसर पर जो नजारा दिखा, उसने एक नया इतिहास रच दिया। यहाँ के ऐतिहासिक 'गोटियां रो मेलो' में करीब 1000 युवाओं ने अपनी शक्ति और भक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया कि देखने वाले दंग रह गए।

ढाई किलो के घुंघरू और चंग की थाप : इस उत्सव की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि प्रत्येक युवा ने अपने पैरों में 2.5 किलो वजनी कांसे के भारी घुंघरू बांध रखे थे। सिर पर राजस्थानी आन-बान-शान की प्रतीक पचरंगी पाग और शरीर पर पारंपरिक सफेद चोला पहने जब इन युवाओं के कदम एक साथ उठे, तो पूरी धरती गूंज उठी। चंग और ढोल की थाप पर माली समाज के इन युवाओं ने लगातार 3 घंटे तक डांडिया नृत्य किया। भारी वजन और थका देने वाली गर्मी के बावजूद इन युवाओं का जोश देखते ही बनता था।

106 साल पुरानी परंपरा का जीवंत रूप : यह मेला केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह नागौर की सामाजिक एकता का प्रतीक है। 106 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे इस 'गोटियां रो मेलो' ने कई पीढ़ियों को बदलते देखा है, लेकिन इसकी मौलिकता आज भी वैसी ही बनी हुई है। समाज के बुजुर्ग बताते हैं कि इस नृत्य के पीछे की भावना देवी शीतला के प्रति कृतज्ञता और समाज में भाईचारे को बढ़ावा देना है। युवाओं का यह जोश यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी अपनी विरासत को संभालने के लिए पूरी तरह सक्षम और प्रतिबद्ध है।

दावा- भारत ने होर्मुज के पास दो युद्धपोत तैनात किए

तेल-गैस से भरे भारतीय जहाजों को सुरक्षा देंगे; एलपीजी गैस जहाज गुजरात पहुंचा

तेल अवीव/तेहरान (राजधानी चौपाल) | अमेरिका-इजराइल और ईरान में जारी जंग के बीच भारत ने होर्मुज स्ट्रेट के पास अपने दो युद्धपोत तैनात किए हैं। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारतीय नौसेना के ये टास्क फोर्स जहाज तेल और गैस लेकर भारत आने वाले व्यापारी जहाजों और टैंकरों को सुरक्षा देंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर उन्हें हर तरह की सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इस बीच युद्ध के माहौल में भारत का पहला एलपीजी जहाज 'शिवालिक' आज गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पहुंच गया। जहाज करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नंदा देवी और जग लाडकी नाम के दो और भारतीय जहाज भी तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं और उनके कल तक पहुंचने की संभावना है।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते खतरे के बीच भारत अपने ऊर्जा सप्लाई मार्ग और समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर सतर्क है। जंग के बीच एलपीजी कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंच गया है। यह जहाज सोमवार शाम 5 बजे गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लदी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला एलपीजी जहाज है।

शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक नंदा देवी नाम का जहाज भी करीब 46 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा है और उसके कल पहुंचने की संभावना है।

वहीं जग लाडकी जहाज करीब 81 हजार टन मुरबान कच्चा तेल लेकर भारत की ओर आ रहा है और इसके भी कल मुंद्रा बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है।

भारत का नंदी देवी जहाज गुजरात पहुंचा

भारत का नंदा देवी जहाज होर्मुज स्ट्रेट को पार करके आज रात 2:30 बजे गुजरात के वडिनार पोर्ट पहुंचा। इस जहाज में करीब 46,500 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लाई गई है। इससे पहले भारतीय जहाज शिवालिक सोमवार को एलपीजी लेकर 'मुंद्रा पोर्ट' पहुंच चुका है। इस जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर है।

मिडिल ईस्ट का तेल दुनिया में सबसे महंगा, 153 डॉलर प्रति बैरल हुआ : जंग के कारण मिडिल ईस्ट के तेल की कीमत बढ़कर 153 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इस बढ़ोतरी का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है, खासकर उन देशों पर जो तेल के आयात पर निर्भर हैं। इसी बीच, श्रीलंका ने घोषणा की है कि अब सरकारी दफ्तर हफ्ते में 4 दिन ही खुलेंगे। यह फैसला ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए लिया गया है।

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प

नाटो देश बोले- ये हमारी लड़ाई नहीं, होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है।

ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं।

हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

जर्मनी बोला- यह यूरोप की जंग नहीं

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके

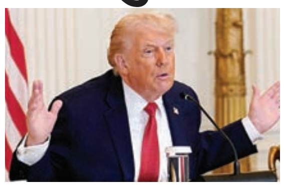

उसे झुकाना सही तरीका नहीं है।

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे।

ब्रिटेन बोला- हम इस युद्ध में नहीं फंसेंगे

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा। यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है।

इटली बोला- जंग नहीं बातचीत से हल निकले

इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता।

ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान ने भी साफ कर दिया है कि वे अपने युद्धपोत नहीं भेजेंगे।

यूरोपीय यूनियन ने भी ट्रम्प की अपील ठुकराई

दूसरी ओर, ट्रम्प लगातार अपने सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों को इस समुद्री रास्ते से फायदा होता है, उन्हें इसकी सुरक्षा में हिस्सा लेना चाहिए। ट्रम्प ने खासतौर पर ब्रिटेन से नाराजगी भी जताई, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह इसमें शामिल होगा। यूरोपीय यूनियन के विदेश मंत्रियों ने भी अपने रेड सी (लाल सागर) मिशन को होर्मुज तक बढ़ाने से इनकार कर दिया। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलस ने कहा कि फिलहाल मिशन का दायरा बढ़ाने की कोई इच्छा नजर नहीं आती।

यूरोपीय देश अमेरिका और इजराइल के युद्ध के मकसद को लेकर भी स्पष्टता चाहते हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें समझना है कि ट्रम्प की रणनीति क्या है और आगे की योजना क्या होगी।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक

400 की मौत:250 घायल; तालिबान का आरोप- पाक ने नशा मुक्ति सेंटर पर बम गिराए

काबुल (राजधानी चौपाल) | पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए। तालिबान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है और कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया।

हमले से 2000 बेड वाले हॉस्पिटल को भारी नुकसान : अफगानिस्तान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 9 बजे हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हॉस्पिटल 2000 बेड का है। इसे भारी नुकसान हुआ है।

मीडिया की टीमें जब वहां पहुंची तो अस्पताल के कुछ हिस्सों में तब भी आग लगी हुई थी। करीब 30 से ज्यादा शव स्ट्रेचर पर बाहर निकाले जा रहे थे। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वहां बहुत ज्यादा मरीज थे, इसलिए मृतकों और घायलों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है।

अफगान क्रिकेटर राशिद खान ने UN से जांच की मांग की : अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान ने पाकिस्तानी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा काबुल में हाल ही में हुए हवाई हमलों से लोग दुखी हैं। इन हमलों में कई आम लोगों की जान चली गई। कुछ हमले घरों, स्कूलों और अस्पतालों के आसपास भी हुए। आम लोगों के इलाकों पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून के हिसाब से युद्ध अपराध माना जाता है, चाहे वह जानबूझकर किया गया हो या गलती से। खासकर रमजान के पवित्र महीने के दौरान ऐसी घटना से लोगों में और ज्यादा दुख और गुस्सा है।

ईरान-इजराइल युद्ध की तपिश भारतीय रसोई तक: एलपीजी की किल्लत से देशभर में इंडक्शन चूल्हों का 'आपातकाल'

नई दिल्ली/भोपाल/मुंबई (राजधानी चौपाल) | पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच गहराते युद्ध के बादलों ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू बजट को सीधी चुनौती दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सप्लाई चेन बाधित होने के कारण भारत के विभिन्न राज्यों में एलपीजी (LPG) सिलेंडर की आपूर्ति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। गैस की इस अनिश्चितता ने देशभर के नागरिकों को वैकल्पिक साधनों की ओर भागने पर मजबूर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप इंडक्शन स्टोव की मांग में ऐतिहासिक उछाल देखने को मिल रहा है।

राजधानी चौपाल की राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली से लेकर भोपाल और मुंबई से लेकर बेंगलुरु तक, इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री में 400 से 500 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

आलम यह है कि जो इंडक्शन स्टोव गर्मियों के मौसम में दुकानों के कोनों में धूल फांकते थे, आज उनके लिए दुकानों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं। आमतौर पर मार्च और अप्रैल के महीनों में भारतीय बाजारों का रुख एयर कंडीशनर, कूलर और फ्रिज की तरफ होता है। दुकानदार भी इसी का स्टॉक रखते हैं। लेकिन अचानक गैस सिलेंडर की डिलीवरी में 8 से 10 दिनों की देरी की खबरों ने 'पैनिक बाइंग' (घबराहट में खरीदारी) की स्थिति पैदा कर दी है।

भोपाल के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में पहुंचे ग्राहकों का कहना है कि वे भविष्य की सुरक्षा के लिए इंडक्शन खरीद रहे हैं। उपभोक्ताओं के अनुसार, जो इंडक्शन पिछले माह तक 2,000 से 2,200 रुपये की रेंज में आसानी से उपलब्ध थे, आज उनकी कीमत 3,000 से 3,500 रुपये तक पहुंच गई है। व्यापारियों का कहना है कि वे खुद थोक बाजार से महंगे दामों पर माल उठा रहे हैं, जिसका सीधा बोझ आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। वर्तमान में रमजान का पवित्र महीना चल रहा है और जल्द ही ईद का त्योहार आने वाला है। ऐसे में मुस्लिम बहुल इलाकों और बड़े परिवारों में खाना पकाने की अनिवार्यता ने इंडक्शन की मांग को और बढ़ा दिया है। इफ्तारी और सेहरी की तैयारियों के लिए महिलाएं गैस के भरोसे बैठने के बजाय बिजली के चूल्हों को प्राथमिकता दे रही हैं।

बाजार के विशेषज्ञों और इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स ने एक और गंभीर चिंता जताई है। भारत में बिकने वाले अधिकांश इंडक्शन चूल्हों का कच्चा माल और सेमीकंडक्टर चिप्स चीन से आयात किए जाते हैं। युद्ध के कारण समुद्री मार्गों में बढ़ते खतरों ने शिपिंग और लॉजिस्टिक्स को महंगा और धीमा कर दिया है।

निर्माताओं का दावा है कि कच्चे माल की नई खेप आने और उसे तैयार उत्पाद में बदलकर बाजार तक पहुंचाने में कम से कम 45 दिन का समय लग सकता है। कई ब्रांडेड कंपनियों ने हाथ खड़े कर दिए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर 'नो स्टॉक' के बोर्ड दुकानों पर लटकने लगे हैं।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)